सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 235 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 8 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

महंगाई दरों में कमी के चलते रेपो रेट 6.50 प्रतिशत पर बरकरार, विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौद्रिक नीति समिति की दो दिनों की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर की प्रेस कान्फ्रेंस शुरू हो गई है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि इस बार एमपीसी की बैठक में रेपो रेट को अपरिवर्तित रखने का फैसला लिया गया है। यह 6.5 प्रतिशत पर बना रहेगा। उन्होंने कहा कि एमपीसी के सभी सदस्यों ने ब्याज दरों को स्थिर रखने का समर्थन किया है।

वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई दर 4 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान

आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई दर 4 प्रतिशत से अधिक बनी रहेगी। FY 24 में सीपीआई 5.2 से घटकर 5.1 प्रतिशत रह सकती है। वहीं FY 24 में 6.5 प्रतिशत की विकास दर संभव है। इस दौरान तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत विकास दर का अनुमान है। वहीं FY 24 की पहली तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ आठ प्रतिशत रह सकती है। वहीं चौथी तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ 5.7 प्रतिशत रह सकती है। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण मांग मजबूत बनी हुई है।

आरबीआई गवर्नर बोले- निवेश में सुधार, मॉनसून के भी समान्य रहने की उम्मीद

आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि निवेश में सुधार हुआ है और मानसून के भी सामान्य रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक महंगाई पर अर्जुन के आंख की तरह नजर टिकाए हुए है। आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी की बैठक के बाद कहा है कि बीते महीनों में आयात घटने से व्यापार घाटे में भी कमी आई है। उन्होंने ये भी कहा है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत हुआ है।

शक्तिकांत दास ने कहा- अप्रैल के मुकाबले स्थितियां बेहतर हुईं

आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है एफडीआई में भी सुधार हुआ है। कैपेक्स में सुधार का अच्छा माहौल है। दास ने कहा कि अप्रैल के मुकाबले स्थितियां बेहतर हुई हैं। उन्होंने कहा कि ई-रूपी का दायरा बढ़ाने का भी प्रस्ताव दिया गया है। इससे देश में डिजिटल भुगतानों का भी दायरा बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अब बैंक रूपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड जारी कर सकेंगे।

मंगलवार को शुरू हुई थी एमपीसी की बैठक

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (Monetary Policy Committee) की बैठक मंगलवार को शुरू हुई थी। प्रत्येक दो महीने के अंतराल पर होने वाली इस बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव पर चर्चा की जाती है। अप्रैल महीने में हुई पिछली बैठक में नीतिगत ब्याज दरों या रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया था। हालांकि, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने उस दौरान कहा था कि ये फैसला बस इस मीटिंग के लिए लिया गया है और जरूरी नहीं है कि ब्याज दरों को आगे भी इसी तरह रखा जाए। जरूरत पड़ने पर इसे फिर से बढ़ाया भी जा सकता है।

खास - खबर

निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पिलर और स्लैब के बीच फंसा बच्चा, एसडीआरएफ कर रही रेस्क्यू, दो दिन से लापता था बच्चा

रोहतास (एजेंसी)। दो दिन से लापता बच्चा निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पिलर पर स्लैब के बीच फंस गया है। उसे सकुशल निकालने एसडीआरएफकी टीम कवायद कर रही है। यह फ्लाईओवर सोन नदी के ऊपर बन रहा है। नसरीगंज-दाऊदनगर पुल के इस पुल एक नंबर पिलर और स्लैब के बीच फंसे 11 वर्षीय बच्चे को बीते 24 घंटे से निकालने का प्रयास किया जा रहा है इसके बाद भी नहीं निकाला जा सका है। गैप से बच्चे का हाथ दिख रहा है और रुक-रुक कर रोने की आवाज भी सुनाई दे रही है।

बुधवार के शाम से शुरू हुआ बचाव कार्य से बच्चे को नहीं निकाला जा सका है। गुरुवार सुबह फिर से बच्चे को रेस्क्यू करने की कोशिश की जा रही है। एसडीआरएफ की टीम ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ मौके पर पहुंची है। पुल को ऊपर से तोड़कर बच्चे तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। इस घटना के बाद नासरीगंज इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है।

दरअसल 11 वर्षीय बच्चा खिरिआवं गांव निवासी शत्रुध्न प्रसाद उर्फभोला का पुत्र रंजन कुमार है। वह पिछले दो दिन से लापता था। बच्चा मानसिक रूप से कमजोर है। परिजन लगातार इधर-उधर उसकी तलाश कर रहे थे। इस बीच रास्ते से गुजर रही एक महिला ने बच्चे के रोने की आवाज सुन लोगों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने रस्सी और सीढ़ी के सहारे बच्चे तक पहुंचने की कोशिश की लेकिन वे लोग असफल रहे। जिंदगी और मौत से लड़ रहे बच्चे को बचाने अब एसडीआरएफ व प्रशासन की टीम प्रयास कर रही है।

राइस मिल के पास भीषण सड़क हादसा, अज्ञात वाहन ने शिक्षक को कूचला, मौके पर मौत

बालोद। बालोद जिले से होकर गुजरने वाले रायपुर-जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर ग्राम चिटौद के पास बरडिया राइस मिल पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना इतनी भायनक थी कि युवक के शरीर के चीथड़े उड़ गए थे। यह घटना अज्ञात वाहन के कुचलने से हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुरूर थाना प्रभारी अरुण कुमार साहू ने बताया कि कड़ी मशक्कत के बाद मृतक की शिनाख्त एक शिक्षक के रूप में हुई है।

धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 143 रुपए बढ़ी

सीएम बघेल बोले- चुनावी साल में किसानों से नाइंसाफी, बेहतर बढ़ोत्तरी की थी उम्मीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार ने चुनावी वर्ष में किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। धान सहित विभिन्न फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी गई है। धान के समर्थन मूल्य में सरकार ने 143 रुपए की वृद्धि की है। वहीं अन्य फसलों का समर्थन मूल्य भी बढ़ाया है। केन्द्र सरकार की एमएसपी में वृद्धि के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि किसानों के साथ नाइंसाफी है। केन्द्र सरकार की धान पर एमएसपी में बढ़ोत्तरी काफी कम है। देश के किसानों को इससे ज्यादा की उम्मीद थी।

बता दें बुधवार को केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2023-24 के दौरान सभी स्वीकृत खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सरकार ने फसल उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और फसलों में विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विपणन सत्र 2023-24 हेतु खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है। इसमें सर्वाधिक वृद्धि तिल की फसल में एवं न्यूनतम वृद्धि मक्का में की गई है। वहीं लागत से अधिक लाभ वाली फसल में बाजरा के भाव सबसे अधिक है।

केन्द्र के पास देने को पैसा नहीं

बिलासपुर में कांग्रेस के संभागीय सम्मेलन के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि कहा कि केंद्र के पास देने के लिए पैसा नहीं है। चुनावी वर्ष में उम्मीद थी कि किसानों के लिए बेहतर होगा, लेकिन धान में प्रति क्विंटल 143 रुपए की बढ़ोतरी किसानों के साथ नाइंसाफी है। यह समर्थन मूल्य बहुत कम है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव के समय 200 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की थी। इस बार देश भर के किसान आंदोलनरत हैं। फिर भी 133 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है, जो आंदोलनरत किसानों के साथ अन्याय और नाइंसाफी है।

खरीफ वर्ष 2023-24 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य

फसल	एमएसपी 2023-24	एमएसपी में वृद्धि
धान (सामान्य)	2183 रुपए प्रति क्विंटल	143 रुपए
धान (ग्रेड ए)	2203 रुपए प्रति क्विंटल	143 रुपए
ज्वार (हाइब्रिड)	3180 रुपए प्रति क्विंटल	210 रुपए
ज्वार (मालदंडी)	3225 रुपए प्रति क्विंटल	235 रुपए
बाजरा	2500 रुपए प्रति क्विंटल	150 रुपए
रागी	3846 रुपए प्रति क्विंटल	268 रुपए
मक्का	2090 रुपए प्रति क्विंटल	128 रुपए
तूर (अरहर)	7000 रुपए प्रति क्विंटल	400 रुपए
मूंग	8558 रुपए प्रति क्विंटल	803 रुपए
उड़द	6950 रुपए प्रति क्विंटल	350 रुपए
मूँगफली	6377 रुपए प्रति क्विंटल	527 रुपए
सूरजमुखी बीज	6760 रुपए प्रति क्विंटल	360 रुपए
सोयाबीन (पीला)	4600 रुपए प्रति क्विंटल	300 रुपए
तिल	8635 रुपए प्रति क्विंटल	805 रुपए
रामतिल	7734 रुपए प्रति क्विंटल	447 रुपए
कपास (मध्यम रेशा)	6620 रुपए प्रति क्विंटल	540 रुपए
कपास (लम्बा रेशा)	7020 रुपए प्रति क्विंटल	640 रुपए

सड़क हादसे में कांगेस नेता की मौत, घर लौटते समय तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मारी ठोकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में बीती रात स्कॉर्पियो की ठोकर से बाइक सवार शख्स की मौत हो गई। हादसा यहां के छत्रपति शिवाजी चौक के पास की है। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। मृतक की पहचान सुरेश द्विवेदी के रूप में हुई है। सुरेश द्विवेदी कांग्रेस के नेता थे और जिला कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष रहे। सड़क हादसे में इनकी मौत से इनके समर्थकों में शोक की लहर है।

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस नेता सुरेश द्विवेदी बुधवार आधी रात को बाइक से अपने घर लौट रहे थे। अभी यह छत्रपति शिवाजी चौक पहुंचे और वहां से टर्न किया। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही है तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुरेश द्विवेदी सड़क पर काफी दूर जाकर गिरे। उनकी बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद स्कॉर्पियों चालक भाग निकला।

इधर हादसे के बाद मौके पर काफी भीड़ जुट गई। मौके पर राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची कांग्रेस नेता को अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने सुरेश द्विवेदी को मृत घोषित कर दिया है। हादसे की सूचना उनके परिवार को दी गई। वहीं हादसे के बाद फरार स्कॉर्पियो चालक की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है वाहन चालक की पहचान के लिए आसपास सीसी टीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

ट्रॉमा सेंटर में बच्ची से मिले मुख्यमंत्री, फायरिंग के दौरान हो गई थी घायल

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे जहां उन्होंने फायरिंग के दौरान घायल हुई बच्ची से मुलाकात की।। डेढ़ साल की बच्ची एससी-एसटी कोर्ट रूम में हुए हत्याकांड के दौरान घायल हो गई थी। हमले में पुलिसकर्मी कमलेश व लाल मोहम्मद भी घायल हो गए थे। दोनों के पैर में गोली लगी थी। मुख्यमंत्री उनसे भी मुलाकात करेंगे।

बुधवार शाम को पुलिस हिरासत में लखनऊ के एससी-एसटी कोर्ट रूम में कुख्यात अपराधी संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या कर दी गई थी। हमलावर वकील के लिबास में पहुंचा था। उसने कोर्ट रूम में ही रिवॉल्वर से ताबड़तोड़ छह राउंड फायरिंग की थी। फायरिंग के दौरान डेढ़ साल की बच्ची और उसकी मां को भी गोली लगी थी।

हाईकोर्ट का फैसला: CGPSC की मेरिट लिस्ट को चुनौती देने वाली याचिका की खारिज

महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने CGPSC 2014 की जारी मेरिट लिस्ट को चुनौती देते हुए लगाई गई याचिका को निरस्त कर दिया है। याचिका एक महिला अभ्यर्थी की ओर से लगाई गई थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, महिलाओं के लिए 30 फीसदी से अधिक आरक्षण की अनुमति नहीं है। कोर्ट ने फैसले में वर्टिकल और होरिजेंटल आरक्षण के नियम को नए सिरे से स्पष्ट किया है। मामले की सुनवाई जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच में हुई।

विज्ञापन में ओबीसी महिला का पद आरक्षित नहीं था

पीएससी ने वर्ष 2014 में राज्य प्रशासनिक सेवा के विभिन्न पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसमें डिप्टी कलेक्टर के 21 पद शामिल थे। 21 पदों में से 9 पद अनारक्षित, 2 पद एससी, 7 पद एसटी और 3 पद ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित थे। इसमें से महिला आरक्षण के तहत 2 पद अनारक्षित महिला और 2 पद एसटी वर्ग की महिला प्रतिभागी के लिए आरक्षित थे। विज्ञापन के अनुसार ओबीसी महिला के पद आरक्षित नहीं थे।

10वीं रैंक पर अभ्यर्थी के चयन को दी चुनौती

चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मेरिट में 10वें नंबर पर ओबीसी वर्ग के प्रतिभागी ओंकार यादव का चयन डिप्टी कलेक्टर के पद पर हुआ। इसे पीएससी की मुख्य परीक्षा में शामिल रही हिमशिखा साहू ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। कहा कि ओबीसी महिला के लिए पद आरक्षित होने पर उनका चयन यादव की जगह होना था। प्रारंभिक सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता महिला के पक्ष में अंतरिम आदेश दिया था।

महिला का नाम मेरिट लिस्ट में ही नहीं था

इस बीच यादव ने जीएसटी डिपार्टमेंट में ज्वाइन कर लिया। वे वर्तमान में असिस्टेंट कमिश्नर हैं। मामले पर सुनवाई के दौरान बताया गया कि महिला मेरिट में 29वें नंबर पर थी। मेरिट लिस्ट में उनका नाम नहीं था। ऐसे में उन्हें याचिका दाखिल करने का भी अधिकार नहीं था। वहीं पीएससी की तरफसे जानकारी दी गई कि नियमों का पालन करते हुए मेरिट लिस्ट जारी की गई थी। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने महिला की याचिका खारिज करते हुए उनके पक्ष में जारी अंतरिम आदेश निरस्त कर दिया।

कोर्ट ने प्रतिवादी को सभी लाभ देने के आदेश दिए

कोर्ट ने प्रतिवादी अधिकारी की कोई गलती नहीं होने के कारण सीनियारिटी समेत अन्य लाभ देने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट और अन्य के फैसलों का हवाला देते हुए वर्टिकल, होरिजेंटल आरक्षण को स्पष्ट किया है। कहा है कि वर्टिकल आरक्षण 50 फीसदी अनारक्षित और 50 फीसदी एससी, एसटी और ओबीसी के लिए है। एससी, एसटी और ओबीसी को वर्टिकल आरक्षण का लाभ दिया जाता है, और शारीरिक रूप से दिव्यांगों को होरिजेंटल आरक्षण का लाभ दिया जाता है।

बहुत कठिन है डगर चुनाव की

श्रीकंचनपथ

बस्तर के बाद कांग्रेस का दूसरा संभागीय सम्मेलन बिलासपुर में संपन्न हुआ। तीसरा संभागीय सम्मेलन आज दुर्ग में होना है। राज्य का कांग्रेस नेतृत्व अच्छी तरह जानता है कि यह चुनाव पिछले चुनावों से काफी अलग होगा। पिछली बार जहां पूरा गुस्सा भाजपा की सरकार के खिलाफ था वहीं इस बार यह 50-50 हो सकता है। 30-70 या 60-40 भी हो सकता है। वजह साफहै, जनता का थोड़ा बहुत गुस्सा सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ तो हो ही सकता है। पर कारण केवल इतना नहीं है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में एक नई करवट ली है। युवा नेतृत्व उभर कर सामने आया है। इनके पास अपनी फौज और फटाका भी है। इसलिए संगठन से पुराने नेता लगभग कट चुके हैं। अब उसी संगठन में जान फूंकने की कोशिश की जा रही है। पिछले कुछ समय में ईडी और आईटी ने चुन-चुन कर कांग्रेस के मर्म स्थलों पर आघात किया है। डर अभी भी बना हुआ है। किस मामले में कब, क्या हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। अब तक ईडी और आईटी केवल छापे मार रही है, पूछताछ कर रही है। इन छापों से न केवल नेता बल्कि पार्टी के समर्थक भी डरे हुए हैं। अफसरशाही भी खौफ के दौर से गुजर रही है। मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान आठ साल में ईडी के छापों में 27 गुना की वृद्धि हुई। इस अवधि में मनी-लांडरिंग के 888 मामले में चार्ज शीट दाखिल किये जा चुके हैं। 23 आरोपियों के खिलाफ दोष सिद्ध हो चुका है। 99,356 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति जब्त हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी 2017 में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया था कि उनके पास कांग्रेस नेताओं की पूरी जन्मपत्री सुरक्षित है। हालांकि, इसके कुछ ही दिन बाद हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा के चुनाव में उनकी यह जन्मपत्री फेल हो गई थी। कांग्रेस ने ढेर सारे नए चेहरों को मौका देकर भाजपा के जन्मपत्री के स्टॉक को बेअसर कर दिया था। भूपेश सरकार ने अपने मंत्रिमंडल को अब तक इसकी आंच से बचा कर रखा है। यह तो हुई चुनौती की बात। असली खतरा कुछ और है। अधिकांश कांग्रेसियों को भरोसा है कि भूपेश बघेल अकेले ही सरकार बना ले जाएंगे। यह ओवर-कांफिडेंस पार्टी को भारी पड़ सकती है। दूसरे, वो लोग हैं जिन्हें लगता है कि भूपेश नीत कांग्रेस में उनके लिए अब कोई जगह नहीं बची। इसलिए वे या ता पार्टी से कट कर बैठे हैं या बेमने से सभा-सम्मेलन और बैठकों में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस की संभाग सम्मेलन श्रृंखला ऐसे ही लोगों को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश है। इससे सम्मेलन का महत्व और बढ़ जाता है। कहा जाता है कि जनता की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। वह बार-बार मृगमरीचिका के पीछे दौड़ लगाती है। योजनाओं को समझने और उसके नतीजों का इंतजार करने वाले बहुत कम लोग होते हैं।

संपादकीय

मणिपुर का संकट

पिछले सप्ताह यह लगने लगा था कि मणिपुर में शांति के लौटने में अब देर नहीं लगेगी। जिस तरह से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर की राजधानी इंफाल गए और लगातार चार दिनों तक वहां रहे, उससे यह साफ हो गया कि केंद्र सरकार अब इस राज्य को पटरी पर लाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। उन्होंने वहां समस्या को सुलझाने और बहुत से टूटे हुए सिरों को जोड़ने की जो कोशिशें कीं, उन पर काफी कुछ लिखा जा चुका है। इसका असर भी दिखा और कई उग्रवादियों ने अपने हथियार भी डाले। उनके प्रयास यहीं तक सीमित नहीं रहे। राज्य में लगातार खराब हालात को देखते हुए केंद्र सरकार ने वहां संविधान के अनुच्छेद 355 को लागू करने का फैसला किया है। वह भी तब, जब प्रदेश में खुद भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। अब वहां अर्द्धसैनिक बलों को सीधे केंद्र तैनात कर सकेगा और ये बल उसके निर्देश पर ही काम करेंगे। हालांकि, बुधवार को मणिपुर के कुकी समुदाय की महिलाओं ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन किया, तो उनकी मुख्य मांग यही थी कि राज्य में अनुच्छेद 355 नहीं, बल्कि अनुच्छेद 356 लागू किया जाए। वे चाहती हैं कि वहां राष्ट्रपति शासन लागू हो और राज्य में शासन की बागडोर पूरी तरह से केंद्र सरकार ही संभाले। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि केंद्र की भरसक कोशिशों के बाद भी अभी तक मणिपुर में हिंसा खत्म नहीं हुई है। यह बताता है कि समस्या लगातार जटिल होती जा रही है और राज्य को पहले की स्थिति में लाने के लिए अभी बहुत से और प्रयासों की जरूरत पड़ सकती है। हालात कितने खराब हो चुके हैं, इसे नई घटनाओं से समझा जा सकता है। इंफाल में एक एंबुलेस में उपचार के लिए जा रहे मां-बेटे और एक अन्य रिश्तेदार को दो हजार लोगों की भीड़ ने घेर लिया और एंबुलेंस में आग लगा दी। तीनों की जलकर मृत्यु हो गई। यह घटना सिर्फ यही नहीं बताती कि वहां कुछ लोग किस हद तक निर्दयी हो गए हैं, बल्कि यह भी बताती है कि एक तरह का हिंसक पागलपन वहां बढ़ता जा रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिस भीड़ ने यह हिंसा की, वह मैतेई समुदाय के लोगों की बताई जाती है, और जिन्हें जिंदा जला दिया गया, वे भी इसी समुदाय के थे। हिंसा का पागलपन भीड़ के सोचने-समझने की क्षमता भी छीन लेता है। उधर अर्द्धसैनिक बलों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सीमा सुरक्षा बल के एक जवान की गोली लगने से जान चली गई, जबकि असम राइफल्स के दो जवान घायल हो गए। स्थानीय अखबार लिख रहे हैं कि इस समय इंफाल से बाहर जाने वाली कोई भी सड़क सुरक्षित नहीं है। मणिपुर में इस समय सबसे जरूरी यही है कि दोनों समुदायों के बीच जो अविश्वास का माहौल बना है, उसे किसी भी तरह दूर किया जाए। इसमें स्थानीय राजनेताओं से सर्वाधिक उम्मीद की जा सकती है, लेकिन खबरों के अनुसार राज्य के विधायक ही सामुदायिक आधार पर पूरी तरह से बंट गए हैं। जाहिर है, इससे केंद्र सरकार की चुनौती और बढ़ गई है। राज्य में शांति कायम करने के लिए उसे राजनीतिक और सामाजिक, दोनों ही स्तरों पर काम करना होगा। प्रशासनिक स्तर पर तो तमाम इंतजाम कर दिए गए हैं, लेकिन ताजा घटनाएं बता रही हैं कि इतना ही काफी नहीं है। पूर्वोत्तर के इस छोटे से राज्य को संकट से निकालना इस समय देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

“ इंफाल में एक एंबुलेस में उपचार के लिए जा रहे मां-बेटे और एक अन्य रिश्तेदार को दो हजार लोगों की भीड़ ने घेर लिया और एंबुलेंस में आग लगा दी। तीनों की जलकर मृत्यु हो गई। यह घटना सिर्फ यही नहीं बताती कि वहां कुछ लोग किस हद तक निर्दयी हो गए हैं, बल्कि यह भी बताती है कि एक तरह का हिंसक पागलपन वहां बढ़ता जा रहा है।

क्यों होता है दुख

एक दिन मैं बिहार यात्रा में किसी गांव जा रहा था। विभिन्न स्वभाव और आयु-वर्ग के लोग साथ यात्रा कर रहे थे। उन लोगों ने कई प्रकार की चर्चाएं रखी थीं, लेकिन उन चर्चाओं का कोई समाधान नहीं हो रहा था। कोई पूछ रहा था कि आजकल माता-पिता को लोग क्यों नहीं मान रहे हैं, तो कुछ लोग चारों तरफ बढ़ते भ्रष्टाचार और अत्याचार की बात कर रहे थे। कुल मिलाकर, सवाल यह था कि आखिर कष्ट क्यों होता है? दुख क्यों पसरा हुआ है?

उस समूह के हर आदमी के मन में कोई न कोई जिज्ञासा थी, लेकिन उसका समाधान उस समूह द्वारा नहीं हो रहा था। देखने से यही लग रहा था कि लोग जिज्ञासु हैं, उनमें जानने की इच्छा है। हमारे शास्त्रों में लिखा है, जिज्ञासा तभी होती है, जब संदेह हो और जब अपना मतलब सिद्ध होना हो। इस दुनिया में कोई ऐसा मनुष्य नहीं है, जिसे कोई जिज्ञासा नहीं हो। हर किसी को कोई न कोई मतलब भी है और संदेह भी है।

तो चर्चा चल रही थी, क्यों लोग भ्रष्टाचारी बन रहे हैं, क्यों नैतिकताएं, मर्यादाएं खो रही हैं? क्यों दुख बढ़ रहा है? मुझसे लोगों ने पूछा कि आप इस पर कुछ बोलिए। मैंने उनसे कहा कि आप लोग अच्छी चर्चा कर रहे हैं, लेकिन इस चर्चा का कहीं एक जगह समाधान होना चाहिए, लेकिन वह नहीं हो रहा है। मैंने कहा कि देखिए, व्यावसायिक उदाहरण के माध्यम से आपको समझाने का प्रयास कर रहा हूं। व्यवसाय में सभी को किसी दूसरे की सहायता लेनी पड़ती है। अपनी स्वयं की पूंजी से कोई बड़ा व्यवसाय सब लोग नहीं कर पाते हैं। बहुत बड़ा प्रतिशत तो ऐसे लोगों का है, जो बैंक या दूसरों से ऋण लेकर अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। कुछ लोग अपने मित्रों और रिश्तेदारों से ऋण लेकर व्यवसाय शुरू करते हैं।

आपने गौर किया होगा कि जो आदमी पैसा ले ले और उसे लौटाए नहीं, बाजार में उसकी साख खत्म होने लगती है। उसे लोग ऋण देने में संकोच करने लगते हैं। कर्ज देना बंद कर देते हैं। लोग उसे चोर, गलत आदमी कहते हैं। जाहिर सी बात है, ऋण न लौटाने वाला आदमी बाजार से बाहर हो जाएगा। यह आम दुनिया की बात है, तो मेरा यह मानना है कि सारी जो अव्यवस्थाएं हैं, वे सिर्फ इसीलिए हैं कि जहां से हमने ऋण लिए हैं, उन ऋणों को चुका नहीं रहे हैं। हमारे ऊपर देवताओं के भी ऋण हैं। वे हमें वायु देते हैं, जल देते हैं, पृथ्वी देते हैं, किंतु हम इसे भूल जाते हैं। एक ऋण पितरों का हमारे शरीर में है। इन तमाम ऋणों को लेकर हम आगे बढ़ते हैं और उनको चुकाना भूल जाते हैं। इसी के कारण हमारे चारों ओर सारी अव्यवस्थाएं और दुख हैं।

रामानंदाचार्य स्वामी श्रीरामनरेशाचार्य

भारत-निजाम वार्ता

आज निजाम के प्रतिनिधिमंडल के यहां पहुंचने के बाद भारत-हैदराबाद वार्ताओं का संभवत अन्तिम दौर समाप्त हो जायेगा। नई दिल्ली स्थिति निजाम के एजेंट जनरल को इस आशय का एक तार प्राप्त हुआ है कि सर वाल्टर मॉकटन और शायद मीर लायक अली मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचेंगे। ज्ञात हुआ है कि वार्ताएं सबसे पहले उन निश्चित विषयों पर होंगी, जिसमें हैदराबाद ने समझौते को भंग किया है। ऐसे विषयों में पाकिस्तान को 20 करोड़ रुपयों का ऋण दिया जाना, हैदराबाद में युद्ध की सी तैयारियों का होना तथा सामरिक हवाई अड्डों का निर्माण, इत्तिहाद द्वारा भारतीय प्रदेश में होने वाले आक्रमणों का न रोका जाना और रियासत में भारतीय मुद्रा पर आंशिक प्रतिबन्ध लगा दिया जाना भी सम्मिलित हैं। माना जाता है कि इन प्रश्नों के हल हो जाने के बाद ही संघ-प्रवेश और उत्तरदायी शासन की स्थापना जैसे बड़े विषयों पर वार्ताएं हो सकेंगी। विश्वस्त क्षेत्रों में इस विचार की पुनरावृत्ति-मात्र की जा रही है कि पूर्ण उत्तरदायी शासन की स्थापना के बिना हैदराबाद की समस्याओं का सुलझना संभव नहीं है।

“ ऐसे विदेशी वित्त पोषित समूह और एनजीओ हैं, जो यह प्रचारित करते हुए आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का विरोध करते हैं कि मानो देश के धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा हो। इन सबसे न सिर्फ कानून लागू करने वाली एजेंसियों को बदनाम करने का प्रयास किया जाता है, बल्कि हिंसक माहौल का खाद-पानी भी मुहैया कराया जाता है। विधि आयोग ने इन तमाम पहलुओं पर गौर करने के बाद ही यह राय दी है कि इसमें सजा और ज्यादा सख्त होनी चाहिए।

इसलिए जरूरी है राजद्रोह कानून

एस एन ढींगरा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली हाईकोर्ट

भारतीय दंड संहिता यानी आईपीसी की धारा 124-ए राजद्रोह को एक दंडनीय अपराध बनाती है। कमोबेश सभी देशों में राजद्रोह कानून है, हालांकि कुछ ने अपने यहां से इसे खत्म कर दिया है। भारत में भी इस कानून के खिलाफ आवाजें मुखर रही हैं। इस कानून को असांविधानिक घोषित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं भी दायर की गई हैं कि यह अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन करता है और सरकार को मामूली आधार पर किसी को गिरफ्तार करने की ताकत देता है। विधि आयोग ने हाल ही में इसके तमाम पहलुओं की समीक्षा की है और इस कानून को समय की जरूरत बताया है। हालांकि, आयोग ने यह सिफारिश भी की है कि केदारनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने जिन सुरक्षा उपायों की अनुशंसा की थी, उन पर अमल होना चाहिए। इसके साथ ही उसने सजा में बढ़ोतरी का भी सुझाव दिया है।

यहां यह ध्यान रखना चाहिए कि आईपीसी में ऐसी कई धाराएं हैं, जो अभिव्यक्ति की आजादी को प्रतिबंधित करती हैं और ऐसे वक्तव्यों को अपराध बनाती हैं, जिनसे विभिन्न समुदायों, नस्लीय समूहों, क्षेत्रीय समूहों, भाषाओं आदि के प्रति घृणा या दुर्भावना का भाव झलकता हो और जो आपसी सद्भाव को बिगाड़े। खुद को अभिव्यक्त करने का अधिकार भी अनुच्छेद 19(2) के तहत शर्तों के अधीन किया गया है।

लोकतंत्र, अधिकार या आजादी समाज में हिंसा फैलाने, बदनाम करने या अराजकता पैदा करने और नफरत फैलाने या मानहानि करने का लाइसेंस नहीं है। धारा 124-ए ऐसे शरारती तत्वों के लिए अपराध है, जो भारत में सांविधानिक तौर पर निर्वाचित सरकार के खिलाफ शब्दों, संकेतों और दृश्यों द्वारा जान-बूझकर उकसाते हैं या उकसाने का प्रयास करते हैं, और नफरत फैलाने की कोशिश करते हैं। जिस देश में लोगों को जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटा गया हो, वहां सरकार को समाज के विभिन्न समुदायों-वर्गों के बीच संतुलन बनाए रखना होता है, ताकि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व बना रहे।

जो लोग किसी भी कारण से सरकार के खिलाफ द्वेष रखते हैं और हमेशा उसे बदनाम करने की साजिश रचते हैं, वे परोक्ष रूप से आंतरिक व बाहरी दुश्मनों की मदद ही कर रहे होते हैं। हम इंटरनेट और संचार क्रांति के युग में जी रहे हैं। इसमें देश के भीतरी या बाहरी आकाओं के इशारों पर चंद पैसों के लिए लोगों की भावनाएं भड़काकर यह सब किया जा सकता है। हाल ही में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां 'चिकन नेक', यानी सिलीगुड़ी गलियारे पर कब्जा करने और उसे समूचे देश से अलग-थलग करने के लिए यहां की आबादी के एक हिस्से को उकसाया जा रहा था। हाल-फिलहाल कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिनमें कुछ लोगों ने सांसदों और मंत्रियों को बंधक बनाने के इरादे से भारतीय संसद पर हमला करने वाले आतंकियों को नायक बना दिया। ऐसे विदेशी वित्त पोषित समूह और एनजीओ हैं, जो यह प्रचारित करते हुए आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का विरोध करते हैं कि मानो देश के धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा हो। इन सबसे न सिर्फ कानून लागू करने वाली एजेंसियों को बदनाम करने का प्रयास किया जाता है, बल्कि हिंसक माहौल का खाद-पानी भी मुहैया कराया जाता है। विधि आयोग ने इन तमाम पहलुओं पर गौर करने के बाद ही यह राय दी है कि इसमें सजा और ज्यादा सख्त होनी चाहिए।

किसी भी लोकतांत्रिक देश में कानून का पालन ही अनुशासन और शांति बनाए रखने का एकमात्र साधन है। कोई भी मुल्क बिना कानून के नहीं चल सकता। लोकतांत्रिक देशों में इस बाबत उपयुक्त कानूनों की कहीं अधिक दरकार होती है। हालांकि, महज कानून की किताबों का होना काफी नहीं है। कानून को सख्ती से, सावधानीपूर्वक और शीघ्र लागू किया जाना भी अनिवार्य है। हमने अपने देश में काफी अरसे से आपराधिक समूहों, माफिया व राजनेताओं-अपराधियों की परस्पर निर्भरता को बढ़ते हुए देखा है। यह सिर्फ इसलिए संभव हो पाया है, क्योंकि प्रशासन कानूनों को लागू करने में ईमानदार नहीं रहा। देश के उदय के समय से लोगों को अनुशासित करने का एकमात्र साधन कानून माना गया है। प्राचीन भारत में दंड-नीति के महत्व पर सभी ने बल दिया। यहां तक कि हमारे साहित्य में भी कहा गया है- भय बिनु होई न प्रीति, यानी कानून के भय के बिना अनुशासन नहीं आ पाता।

सबसे मुखर तर्क देशद्रोह मामलों में बरी होने वालों की संख्या को लेकर है। मगर ज्यादातर लोग संभवतः नहीं जानते कि भारत में तमाम गंभीर अपराधों में बरी होने की दर करीब 80 प्रतिशत है। क्या इसका मतलब यह है कि हमें आईपीसी और एनडीपीएस अधिनियम को खत्म कर देना चाहिए और बलात्कार, हत्या, डकैती जैसे अपराधों को कूड़े के ढेर में डाल देना चाहिए, क्योंकि इन अपराधों में भी बरी होने की दर अधिक है? अपनी न्यायिक प्रणाली में सुधार करने के बजाय हम कानूनों को खत्म करना चाहते हैं। अगर हमारी अदालतें, विधायिका और कार्यपालिका न्याय व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीर होतीं और आपराधिक मामलों का फैसला 20-30 साल बाद नहीं होता, तब तस्वीर कुछ अलग ही होती। हाल ही में मुख्तार अंसारी के खिलाफ हत्या का एक मामला 32 साल बाद तय हुआ। यासीन मलिक के खिलाफ मामला तो तीन दशकों से अधिक वक्त से लंबित है।

यदि अदालतें समाज के प्रति संवेदना रखतीं, मामूली आधार पर भी अपराधियों को नहीं बख्शतीं, और राष्ट्र को बदनाम करने की कोशिश करने वाले वक्तव्यों को गंभीरता से लेतीं, तो दृश्य कुछ और होता। अदालतों की अवमानना का एक कानून है, जो इस सिद्धांत पर आधारित है कि अभिव्यक्ति की आजादी अदालतों को बदनाम करने की अनुमति नहीं देती। अदालती फैसलों की सिर्फ स्वस्थ आलोचना की जा सकती है। राष्ट्र के मामले में भी ठीक यही सिद्धांत लागू किया जाना चाहिए। राष्ट्र द्वारा की जाने वाली कार्रवाइयों की स्वस्थ आलोचना की अनुमति जरूर होनी चाहिए, लेकिन अकारण जान-बूझकर देश को बदनाम करना दंडनीय बनाया जाना चाहिए, ताकि लोग बिना वजह आलोचना न करें। सीएए को लेकर राष्ट्र की आलोचना इसका एक बड़ा उदाहरण है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दम हो, तो अन्याय के विरुद्ध जंग में अकेला बंदा ही काफी

प्रदीप सरदाना, वरिष्ठ पत्रकार

एक बहुत पुराना मुहावरा है- अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता, यानी अकेला व्यक्ति कोई बड़ा काम, बड़ी क्रांति नहीं कर सकता। हालांकि, देश के कुछ महान कवियों ने अपनी कविताओं के जरिये अकेले व्यक्ति के साहस को सराहा, उसे अपने ढंग से प्रेरित किया है। इसीलिए हरिवंश राय बच्चन ने लिखा अकेला भी बहुत बड़ा है इंसान, तो दुष्यंत कुमार ने कहा, कैसे आकाश में सूराख हो नहीं सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो और सोहनलाल द्विवेदी ने पंक्ति लिखी, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

अब इन पंक्तियों को आगे बढ़ाती एक फिल्म आई है सिर्फ एक बंदा काफी है। निर्माता विनोद भानुशाली और निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की की यह फिल्म हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर प्रदर्शित हुई है, मगर चंद दिनों में ही यह सुर्खियों में छा गई है। सत्य घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म साबित करती है कि यदि बंदे में दम हो, तो सिर्फ एक बंदा भी बड़ा काम कर सकता है। और यह भी कि यदि कोई अभिनेता अभिनय में पारंगत हो, तो वह अकेले अपने कंधों पर किसी फिल्म को उठाकर उसे नया शिखर दे सकता है। मनोज वाजपेयी ने इसमें यह काम बखूबी कर दिखाया है। 'बंदा' देश की ऐसी पहली फिल्म बन गई है, जो ओटीटी पर रिलीज होने के बाद थिएटर में रिलीज हुई है।

सिर्फ एक बंदा काफी है का विषय बेहद नाजुक है। यह एक ऐसे बाबा की कहानी है, जो धर्म का चोला पहनकर रात के अंधेरे में एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण करता है। उसके भक्त उसे भगवान मानते हैं। उसके पास अपार धन-दौलत है, और वह ऊंचे रसूख वाला है। मगर जब एक छोटे से शहर का साधारण वकील उस नाबालिग पीड़िता की आवाज बनकर उसका मुकदमा लड़ता है, तो वह बाबा को उम्र भर के लिए जेल की कोठरी में पहुंचाकर ही दम लेता है। फिल्म के

आरंभ में यह स्पष्ट किया गया है कि यह सत्य घटनाओं से प्रेरित है, लेकिन कौन-कौन सी घटनाएं सच्ची हैं, यह सार्वजनिक रूप से कहने में संकोच किया है। अलबत्ता, दर्शकों को यह समझने में क्षण भर भी नहीं लगता कि यह बाबा कौन है? यह किसकी कहानी है?

बहरहाल, सिर्फ एक बंदा काफी है एक कोर्ट रूम ड्रामा है। हमारे यहां अब तक कई कोर्ट रूम ड्रामा फिल्में लोकप्रिय हुई हैं, जिनमें 1938 में आई सोहराब मोदी की तलाक से लेकर कानून, वक्त, मेरा साया, मोहन जोशी हाजिर हो, जॉली एलएलबी, शौर्य, रुस्तम और सेक्शन 375 जैसी कई फिल्में शामिल हैं। कुछ फिल्में यौन शोषण और महिलाओं के हक की लड़ाई पर भी हैं, जैसे दामिनी, पिंक और नो वन किल्ड जेसिका। दामिनी का संवाद तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख मिलती रही है। लेकिन इंसाफ नहीं मिला मीलॉर्ड तो हिंदी सिनेमा के 50 सर्वाधिक लोकप्रिय संवादों में गिना जाता है। पिंक एक महिला के 'नो' बोलने पर भी उसके साथ जबर्दस्ती के प्रयास को अपराध दर्शाती है, फिर चाहे वह स्त्री पत्नी ही क्यों न हो। उधर 'जेसिका' भी बताती है कि लड़ाई लंबी हो सकती है, लेकिन 'सत्यमेव जयते', यानी सत्य हमेशा जीतता है।

हॉलीवुड भी कोर्ट रूम फिल्मों के निर्माण में पीछे नहीं है। छोटे वकील की बड़ी लड़ाई और यौन शोषण के कथानक पर द लिंकन लॉयर फिल्म की सहज याद हो आती है। लेकिन 'बंदा' अलग है। 'सत्यमेव जयते' तो इसका मूल संदेश है ही, लेकिन इसमें न मनोरंजन का तड़का है, न दिलकश संगीत, हां! दिनकर की कविता सच है विपत्ति जब आती है, कायर को ही दहलाती है की कुछ पंक्तियां अवश्य हैं। मनोज वाजपेयी ने अपने शानदार अभिनय से इस फिल्म को ऐसे बांधा है कि दूसरे पात्रों की तरफ बहुत ध्यान ही नहीं जाता। शिव-पार्वती और रावण के प्रसंग के जरिये पाप, अति पाप और महापाप की व्याख्या का अंतिम दृश्य तो सर्वश्रेष्ठ है।

बंदा की लोकप्रियता के मूल में इसका सकारात्मक संदेश है। फिल्म हमें-आपको यह उम्मीद सौंपती है कि शोषण और अत्याचार के विरुद्ध निर्भय होकर यदि पूरी ईमानदारी व तैयारी से आवाज उठाई जाए, तो साधारण व्यक्ति भी इंसाफ पा सकता है, चाहे सामने कोई भी हस्ती क्यों न हो।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

यूक्रेन का शुरू जवाबी हमला!

श्रुति व्यास

यूक्रेन-रूस युद्ध में अहम मोड़ आया है। सोमवार पांच जून को यूक्रेन हमलावर हुआ। यूक्रेन ने जवाबी हमला शुरू किया। वैसे इस युद्ध को लेकर दुनिया ने, हम सबमें से अधिकांश ने तय कर लिया है कि वह किसके साथ है (हालांकि भारत अब तक तय नहीं कर पाया है!) को युद्ध के बारे में जानने-समझने वालों में एक वर्ग के लिए पांच जून जोश का दिन था। नहीं, मैं मजाक नहीं कर रही हूं। यह खबर फ्लैश होते ही कि यूक्रेन का जवाबी हमला शुरू हुआ है, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में मानों रोमांच की एक लहर सी दौड़ गई।

रूस-यूक्रेन युद्ध के 468वें दिन अंततः यूक्रेन जवाबी हमले के मूड में दिखा। पश्चिमी देशों को कम से कम दो हफ्ते पहले इसके शुरू हो जाने की उम्मीद थी। कुछ तो अपना धैर्य खोने की कगार पर थे। कई हफ्तों से यूक्रेनियाई सेना तैयारी कर रही थी। रूस और यूक्रेन के बीच 600 किलोमीटर लम्बी और दक्षिण से उत्तर-पूर्व तक फैली सीमा पर सैनिक साजो-सामान जमा किया जा रहा था। उद्देश्य था रूस की हमला करने की क्षमता को पूरी तरह समाप्त कर देना। यूक्रेन की सेना रात में ड्रोन के जरिये दुश्मन के टैंकों और मोर्चों को नष्ट कर रही थी। सीमा से पीछे स्थित हथियारों के भंडारों और ईंधन के गोदामों पर भी हमले किये जा रहे थे। सोमवार को यूक्रेन की सेना ने डोनेत्स्क इलाके में सीमा से सटे कई स्थानों पर हमला बोला और कम से कम दो जगह रूसी सेना को पीछे हटने पर मजबूर किया। राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने बखमुत में कहा कि हम इसी खबर का इंतजार कर रहे थे।

इस जवाबी हमले की शुरुआत के लिए जो तारीख चुनी गयी वह सामरिक दृष्टि के अलावा, एक और नज़रिए से महत्वपूर्ण है। चार जून, जिस दिन हमले शुरू हुए, के दो दिन बाद ही डी-डे की वर्षगांठ है। डी-डे मतलब वह दिन जब यूरोप को नाज़ी जर्मनी से मुक्त करवाने की शुरुआत हुई थी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की कार्यवाही को 'बड़े पैमाने पर हमला' बताया है। पश्चिमी देश और प्रेस रोमांचित है कि चलिए कम से कम शुरुआत तो हुई, हालाँकि यूक्रेन ने औपचारिक रूप से नहीं कहा है कि उसने जवाबी कार्यवाही शुरू कर दी है।

रूस की तरफ से कम जानकारी दी जा रही है और यूक्रेन ने तो चुप्पी साध रखी है। स्थानीय लोगों और ब्लॉगों के ज़रिये ही कुछ जानकारियां सामने आ रहीं हैं। इनमें से कुछ कोरी बकवास हैं। वॉर गोंजो नामक ब्लॉग, जिसे रुसी वॉर कोरेस्पोंडेंट सेम्योन पेगोव चलाते हैं, कुछ तथ्य उपलब्ध करवा रहा है। ब्लॉग के अनुसार, यूक्रेन के सैन्य बल नोवोदोनेत्सके इलाके में वेल्लयका नोवोसिल्का व व्हुलेदार के बीच 2 किलोमीटर अन्दर घुस आए हैं। यहां रूसी सेनाओं ने मोर्चा बांधा हुआ था। ब्लॉग के अनुसार, यूक्रेन सैनिकों को ढोहने के लिए पश्चिमी मेकेनाइज्ड वाहनों का इस्तेमाल कर रहा है। हाल में ज़ेलेंस्की को पश्चिमी देशों से बड़ी मात्रा में टैंक और गोला-बारूद मिले हैं। इसी कारण पश्चिमी देश यह अपेक्षा कर रहे थे कि यूक्रेन जवाबी कार्यवाही शुरू करेगा। इन्हीं का इस्तेमाल कर यूक्रेनियाई सैनिक 5 जून की सुबह नोवोदोनेत्सके तक पहुंच गए। एक लोकप्रिय रूसी टेलीग्राम चैनल के अनुसार, सीमा से खबर यह है कि लड़ाई हर पल और तेज होती जा रही हैं। डोनेत्स्क और ज़ैपोरिज्झिया इलाके में भी सीमा पर लड़ाई तेज हो गयी है। यूक्रेन इस जवाबी कार्यवाही को 'वसंत-ग्रीष्म सैन्य अभियान' बता रहा है जो शायद सितम्बर या उसके बाद तक चलेगा।

यूक्रेन की सेना आगे बढ़ रही है। रूसी ब्लॉगर बता रहे हैं कि यूक्रेन ने रूस की मोर्चाबंदी की बीच से एक छोटा सा रास्ता बना लिया है। जहां तक रूस का सवाल है, उसका उद्देश्य शायद केवल यह है कि पिछले साल हमले के शुरुआत हफ़्तों में जितनी जमीन पर उसने कब्ज़ा कर लिया था, उस पर उसका कब्ज़ा बना रहे। रूसी इंजीनियरों ने इस इलाके में जिस तरह की मज़बूत मोर्चाबंदी की है, वैसी ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पिछले कुछ दशकों में दुनिया में कहीं नहीं देखी गई। सेटेलाइट से ली गयी तस्वीरों में वहां प्रथम विश्वयुद्ध की तरह की खंदकों की लम्बी सर्पीली लाइनें देखी जा सकती हैं।

जवाबी कार्यवाही अभी क्यों? पहली बात तो यह है कि यूक्रेन लम्बी और बड़ी लड़ाई के लिए जरूरी हथियार इकठ्ठा करने में सफल हो गया है। दूसरे, उसे लगता है कि इस कार्यवाही में यदि उसे सफलता मिलती है तो उसके लिए नाटो की सदस्यता पाना आसान हो जायेगा। परन्तु यह इतना आसान भी नहीं है। पंद्रह महीने की लम्बी लड़ाई के बाद भी रूस के पास यूक्रेन से कहीं बड़ी सेना है और उससे कहीं ज्यादा गोला-बारूद और मिसाइलें हैं। यूक्रेन की सेना उसके सामने कुछ भी नहीं है, हालाँकि ऐसी खबरें भी हैं कि पश्चिम की मदद से यूक्रेन ने हथियारों और असलाह का खासा स्टॉक जमा कर लिए है। एफ-16 लड़ाकू जहाज, जिनकी बड़ी चर्चा है, यूक्रेन को मिल गया है। इस बीच गर्मी का पूरा मौसम है। रूस ने जवाबी कार्यवाही का जवाब देना शुरू कर दिया है।ये पंक्तियां लिखते वक्त खबर आई है कि खेरसों के पास एक बाँध को रूस ने नष्ट कर दिया है और वहां से लोगों को निकाला गया है।

सवाल सुरक्षित यात्रा का

इस बीच कई ट्रेन दुर्घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनके लिए चरमराते बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराया गया है। जाहिर है, इन हादसों के कारण ट्रेनों के रखरखाव और ट्रैक के नवीनीकरण पर खर्च किए जा रहे पैसे पर सवाल उठे हैं।

ओडिशा के बालासोर में हुई ट्रेन दुर्घटना ने फिर भारत में रेलवे सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान खींचा है। यह हादसा ऐसे समय में हुआ, जब भारत सरकार रेल यात्रा को कथित रूप से तेज और सुखद बनाने की कोशिश कर रही है। पिछले कुछ सालों से भारत सरकार ने रेल नेटवर्क में से एक में हाई-स्पीड- ऑटोमेटेड ट्रेनों को शुरू करके रेल आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने का दावा किया है। सरकार के घोषित लक्ष्यों में 2024 तक रेलवे का 100 फीसदी विद्युतीकरण करना और 2030 तक नेटवर्क को कार्बन न्यूट्रल बनाना शामिल है। लेकिन इसी बीच कई ट्रेन दुर्घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनके लिए चरमराते बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराया गया है। जाहिर है, इन हादसों के कारण ट्रेनों के रखरखाव और ट्रैक के नवीनीकरण पर खर्च किए जा रहे पैसे पर सवाल उठे हैं। भारतीय रेलवे को 13-14 लाख कर्मचारियों के साथ देश की जीवन रेखा माना जाता है। भारतीय ट्रेनों में प्रतिदिन लगभग सवा दो करोड़ लोग सफर करते हैं और रेलवे 30 लाख टन माल की ढुलाई करती है। लगभग 68,000 किलोमीटर के ब्रॉड-गेज नेटवर्क पर 21,000 से अधिक ट्रेनें दौड़ती हैं। मगर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के एक आकलन के मुताबिक, 2017-18 से 2020-21 के बीच खराब ट्रैक रखरखाव, ओवरस्पीडिंग और मैकेनिकल फेलियर ट्रेनों के पटरी से उतरने के प्रमुख कारण रहे।

दिसंबर 2022 में संसद में पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया कि इन दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण रेलवे पटरियों पर रखरखाव की कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रैक नवीनीकरण के लिए फंड में कमी आई है और कई मामलों में इसका पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। रेलवे ने ट्रेनों की टक्कर को रोकने के लिए एक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रॉटेक्शन सिस्टम 'कवच' पर 2012 में काम शुरू किया था। इसका पहला परीक्षण 2016 में किया गया था। 2022 में इसका लाइव डेमो दिखाया गया और इसे लॉन्च किया गया। लेकिन रेल नेटवर्क में अभी यह सिर्फ दो प्रतिशत हिस्से में कार्यरत है। तो साफ है कि हादसों का कारण ढांचागत कमजोरियां और भटकी प्राथमिकताएं हैं। जब तक ये मौजूद हैं, रेल यात्रा सुरक्षित नहीं हो सकेगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

शासन ने पटवारियों के कार्य करने से इंकार किये जाने का किया प्रतिषेध

रायपुर। विगत 15 मई से जारी पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते आम जनता के राजस्व संबंधी कार्यों के निपटारे में काफी कठिनाई आ रही थी। राजस्व विभाग से जुड़ी अत्यावश्यक सेवाओं में हो रही बाधा के चलते शासन ने पटवारियों के कार्य करने से इंकार किये जाने का प्रतिषेध किया है। राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम, 1979 की धारा 4 की उपधारा 1 तथा 2 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राजस्व विभाग के पटवारियों के लिए यह आदेश जारी किया है। यह आदेश 7 जून से प्रभावीशील किया गया है और आगामी 3 महीने के लिए प्रभावशील रहेगा। उल्लेखनीय है कि इस एक्ट के अंतर्गत राजस्व विभाग से जुड़ी अत्यावश्यक सेवाएं भी आती हैं। शासन ने लोकहित में यह निर्णय लिया है। पटवारियों के हड़ताल के चलते शिक्षा सत्र चालू होने एवं रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रियाधीन होने से विद्यार्थियों को जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। इन जरूरी दस्तावेजों के नहीं बनने से इन विद्यार्थियों को आने वाली दिक्कतों को संज्ञान में लेते हुए यह आदेश जारी किया गया है। साथ ही कृषि कार्य भी आरंभ होने वाला है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमांकन, बटांकन और नामांतरण की कार्यवाही शासकीय योजनाओं का लाभ लेने अत्यावश्यक है। पटवारी प्रतिवेदन के अभाव में राजस्व न्यायालयों का कार्य प्रभावित हो रहा है। इन सभी दिक्कतों को दृष्टिगत रखते हुए यह निर्णय लिया गया कि अत्यावश्यक सेवाओं की पूर्ति में बाधा होने से लोक हित प्रभावित हो रहा है और लोगों का कार्य सुचारू रूप से हो सके, उन्हें किसी तरह की दिक्कत न आये, इसके चलते यह आदेश जारी किया गया है।

रोजगार दिवस में अमृत सरोवर एवं वृक्षमाला नदी तट संरक्षण महाअभियान

कोरबा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत ग्रामीणों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस मनाया गया। जिसमें ग्रामीणों को वृक्षमाला नदी तट संरक्षण महाअभियान एवं अमृत सरोवर के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा श्री विश्वदीप के द्वारा सभी सीईओ जनपद पंचायत एवं कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मनरेगा की जागरूकता हेतु ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह की 07 तारीख को रोजगार दिवस आयोजित किये जाये, जिससे परिपालन में बुधवार को ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस मनाया गया। रोजगार दिवस में तकनीकी सहायक एवं रोजगार सहायकों ने ग्रामीणों को आजादी के अमृत महोत्सव के तहत वृक्षमाला नदीतट सरंक्षण महाअभियान के जानकारी दी। इसके तहत अमृत सरोवर की मेड़ एवं नरवा के किनारे किये जाने वाले वृहद वृक्षारोपण हेतु जागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी।

तेंदूपत्ता संग्रहण 500 करोड़ रूपए से पार: संग्राहकों में बिखरी खुशियां अपार

राज्य में अब तक लक्ष्य का लगभग 77 प्रतिशत अर्थात 12 लाख 88 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता का 11 लाख संग्राहकों द्वारा संग्रहण

चालू वर्ष में लगभग 13 लाख परिवारों को मिलेगा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लाभ, वनमंत्री अकबर के मार्गदर्शन में तेन्दूपत्ता का संग्रहण जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चालू वर्ष 2023 के दौरान अब तक 12 लाख 88 हजार 241 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है, जो लक्ष्य 16 लाख 72 हजार मानक बोरा का 77 प्रतिशत से अधिक है। इनमें तेन्दूपत्ता संग्राहकों को कुल भुगतान योग्य राशि 515 करोड़ रूपए से अधिक हैं। इसका संग्रहण लगभग 11 लाख तेन्दूपत्ता संग्राहकों द्वारा किया गया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य में तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य सुचारू रूप से जारी है।

राज्य लघु वनोपज संघ से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जगदलपुर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल बीजापुर में 49 हजार 825 संग्राहकों द्वारा 32 करोड़ रूपए के 81 हजार मानक बोरा, सुकमा में 58 हजार संग्राहकों द्वारा 49 करोड़ रूपए के एक लाख 22 हजार 310 मानक बोरा, दंतेवाड़ा में 14 हजार संग्राहकों द्वारा 6 करोड़ रूपए के 15 हजार 630 मानक बोरा तथा जगदलपुर में 39 हजार संग्राहकों द्वारा 8 करोड़ 38 लाख रूपए के 20 हजार 970 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

इसी तरह कांकेर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल दक्षिण कोण्डागांव में 29 हजार 713 संग्राहकों द्वारा 7 करोड़ 44 लाख रूपए के 18 हजार 608 मानक बोरा, केशकाल में 33 हजार 620 संग्राहकों द्वारा 10 करोड़ रूपए के 24 हजार 963 मानक बोरा, नारायणपुर में 15 हजार 978 संग्राहकों द्वारा 7.50 करोड़ रूपए के 18 हजार 610 मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 30 हजार 426 संग्राहकों द्वारा 36 करोड़ रूपए के 90 हजार 649 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 15 हजार 295 संग्राहकों द्वारा 14 करोड़ रूपए के 34 हजार 884 मानक बोरा तथा कांकेर में 31 हजार 999 संग्राकों द्वारा 13 करोड़ रूपए के 33 हजार 342 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

दुर्ग वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल राजनांदगांव में 44 हजार 951 संग्राहकों द्वारा 24 करोड़ रूपए के 60 हजार 588 मानक बोरा, खैरागढ़ में 22 हजार 508 संग्राहकों द्वारा 10 करोड़ रूपए के 24 हजार 516 मानक बोरा, बालोद में 20 हजार 132 संग्राहकों द्वारा 8 करोड़ रूपए के 19 हजार मानक बोरा तथा कवर्धा में 26 हजार 422 संग्राहकों द्वारा 13 करोड़ रूपए के 32 हजार 346 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। रायपुर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल धमतरी में 25 हजार 64 संग्राहकों द्वारा 8 करोड़ रूपए के 20 हजार 584 मानक बोरा, गरियाबंद में 61 हजार 200 संग्राहकों द्वारा 31 करोड़ रूपए के 77 हजार 574 मानक बोरा, महासमुंद में 60 हजार 612 संग्राहकों द्वारा 28 करोड़ रूपए के 70 हजार 720 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार में 18 हजार 668 संग्राहकों द्वारा 6 करोड़ रूपए के 16 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

बिलासपुर वनवृत्त के अंतर्गत अब तक वनमंडल बिलासपुर में 23 हजार 442 संग्राहकों द्वारा 10 करोड़ रूपए के 25 हजार 548 मानक बोरा, मरवाही में 18 हजार 78 संग्राहकों द्वारा 4 करोड़ रूपए के 10 हजार 866 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 9 हजार 256 संग्राहकों द्वारा 3 करोड़ रूपए के 6 हजार 883 मानक बोरा, रायगढ़ में 43 हजार 623 संग्राहकों द्वारा 20 करोड़ रूपए के 49 हजार 184 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 45 हजार 204 संग्राहकों द्वारा 28 करोड़ रूपए के 70 हजार 945 मानक बोरा, कोरबा में 35 हजार 455 संग्राहकों द्वारा 18 करोड़ रूपए के 43 हजार 822 मानक बोरा तथा कटघोरा में 57 हजार 868 संग्राहकों द्वारा 24 करोड़ रूपए के 58 हजार 806 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

इसी तरह सरगुजा वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल जशपुर में 34 हजार 262 संग्राहकों द्वारा 11 करोड़ रूपए के 27 हजार 688 मानक बोरा, मनेन्द्रगढ़ में 27 हजार 590 संग्राहकों द्वारा 12 करोड़ रूपए के 28 हजार 756 मानक बोरा, कोरिया में 28 हजार 47 संग्राहकों द्वारा 8 करोड़ रूपए के 20 हजार 958 मानक बोरा, सरगुजा में 21 हजार 983 संग्राहकों द्वारा 9 करोड़ रूपए के 22 हजार 229 मानक बोरा, बलरामपुर में 73 हजार 136 संग्राहकों द्वारा 35 करोड़ रूपए के 86 हजार 561 तथा सूरजपुर में 44 हजार 892 संग्राहकों द्वारा 21 करोड़ रूपए के 53 हजार 552 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

कला जत्था के माध्यम से कर रहे शासन की योजनाओं का प्रचार प्रसार

मनोरंजक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम के माध्यम से दी जा रही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। राज्य शासन के निर्देश व कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जनसंपर्क विभाग द्वारा कला जत्था के माध्यम से शासन की योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए गांव-गांव में मनोरंजक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन रिंगी चिंगी डण्डा लोक नृत्य, आरोग्य जनकल्याण समिति,उपकार पंथी लोक नृत्य कल्याण सेवा समिति,उद्गम सेवा समिति,शिक्षित बेरोजगार परिषद, रंग सागर, एडीएमवाएडी सोसायटी के द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा जिले में अनेक जन कल्याणकारी और लाभार्थी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। इन जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने एवं योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से कलाजत्था के माध्यम से गांवों मे प्रचार-प्रसार कर स्थानीय भाषा में लोगों को समझाया और बताया जा रहा है। सूरजपुर जिले के छः विकासखण्ड सूरजपुर, ओड़गी, प्रतापपुर, भैयाथान, रामानुजनगर एवं प्रेमनगर के 172 गांवों में मनोरंजक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक दिन विभिन्न गांवों में लगभग डेढ़ से दो घंटे तक कार्यक्रम की प्रस्तुती दी जा रही है।

कार्यक्रम में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं नरवा, गरवा, घुरवा व बारी के अंतर्गत स्थापित गौठान और उससे होने वाले फायदों के बारें में ग्रामीणों को बताया गया। इस योजना से ग्रामीण विभिन्न गतिविधियों से जुड़ कर लाभ उठा रहे है और अर्थिक रूप से सशक्त हो रहे है। इसी तरह हाट बाजार क्लिनिक योजना के तहत ग्रामीणों को जहां एक ओर उनके स्वास्थ्य का परीक्षण किया जाता है, वहीं दूसरी ओर उनको बीमारियों से बचाव के उपाय बताये जाते है तथा उपचार हेतु दवाईयां भी दी जाती है।

वन मंत्री अकबर ने पांच विपत्तिग्रस्त परिवारों को 20 लाख रूपए का चेक वितरित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा विधायक कवर्धा मोहम्मद अकबर ने अपने कबीरधाम जिले में प्रवास के दौरान पांच विपत्तिग्रस्त परिवारों को चार-चार लाख रूपए कुल 20 लाख रूपए के चेक का वितरण किया। मंत्री श्री अकबर द्वारा इनमें आरबीसी-6-4 के तहत विकासखंड बोड़ला के ग्राम जीताटोला के श्रीमती कचरा बाई, ग्राम धनडबरा के श्रीमती गुनती बैगा, ग्राम थुहापानी के श्री सरजु तथा ग्राम मानिकपुर के श्री परदेशी और ग्राम गंडईखुर्द के जेठिया बाई को राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी-6-4) के तहत 4-4 लाख रूपए का चेक प्रदान किया गया। वन मंत्री ने चेक वितरण करते हुए विपत्तिग्रस्त परिवार के सदस्यों से कहा कि वह इस चेक को बैंक में जमा कर राशि प्राप्त कर सकते हैं। चेक वितरण करते समय मंत्री श्री अकबर ने परिजनों से भेंट भी की और अपनी संवेदना प्रकट की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर चिटफंड घोटाले में लगातार हो रही है कार्रवाई

निवेशकों को अब तक 33.44 करोड़ रूपए की धनराशि वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश की जनता से किए गए अपने वायदे को निभाते हुए चिटफंड कंपनियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्दश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रदेश में अनियमित वित्तीय कंपनियों (चिटफंड कंपनियों) एवं उनके संचालकों के खिलाफ लगातार कार्रकाई की जा रही है जिसके फ्लस्वरुप पीड़ितों को उनका डूबा हुआ पैसा वापस मिल रहा है। अधिक ब्याज और जल्दी रकम दोगुनी करने के झांसे में आकर हजारों लोगों ने अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई गंवा दी थी।

अब उन निवेशकों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है क्योंकि ठगी करने वाली चिटफंड कंपनियों की संपत्तियों को कुर्क कर निवेशकों का डूबा हुआ पैसा वापस दिलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में नई सरकार के गठन पश्चात् सरकार ने चिटफंड कंपनियों के संचालन को राज्य में पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम आयोजन के दौरान चिटफंड कंपनियों में निवेश करने वाले निवेशकों को राशि लौटाई है। देश में छत्तीसगढ़ ही एकमात्र राज्य है जो निवेशकों को उनका पैसा वापस दिला रहा है। चिटफंड कंपनियों की नीलामी से 33 करोड़ 44 लाख 77 हजार 743 रुपए की राशि निवेशकों को वापस लौटाई जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ में 209 अनियमित वित्तीय कंपनियों के विरुद्ध कुल 465 प्रकरण दर्ज किये गये हैं। 401 प्रकरणों में चालान तैयार कर माननीय न्यायालय में पेश किया जा चुका है। 06 प्रकरण में खात्मा और 03 प्रकरण में खारजी हुई है। 55 प्रकरण पुलिस में विवेचनाधीन है। दर्ज 465 प्रकरणों में कुल 690 डायरेक्टर्स व पदाधिकारियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। 64 प्रकरणों में 37 कंपनियों की सम्पत्तियों की नीलामी , वसूली , राजीनामा से 55 करोड़ 98 लाख 90 हजार 866 रुपये की राशि प्राप्त हुई है।

जिला दण्डाधिकारी कार्यालयों में कुल 25 लाख 68 हजार 05 आवेदन पत्र जमा किये गये है। प्राप्त आवेदन पत्रों में से कुल 4 लाख 54 हजार 324 आवेदन पत्र निराकृत हो गए हैं, शेष 20 लाख 95 हजार 407 आवेदन पत्रों के निराकरण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

46 प्रकरणों में 38 कंपनियों से 33 करोड़ 44 लाख 77 हजार 743 रुपये की धनराशि निवेशकों को वितरित की गई है। 29 प्रकरणों में 21 कंपनियों से 22 करोड़ 54 लाख 13 हजार 123 रुपये की राशि सरकारी खाते में जमा है जिनके वितरण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। 31 प्रकरणों में 17 कंपनियों की सम्पत्ति अनुमानित कीमत 24 करोड़ 82 लाख 30 हजार 233 रुपये की न्यायालय के अंतिम आदेश उपरांत नीलामी कार्यवाही कलेक्टर्स के पास प्रक्रियाधीन है। 95 प्रकरणों में कुल 80 करोड़ 81 लाख 21 हजार 99 रुपये की सम्पत्ति की कुर्की का अंतिम आदेश माननीय न्यायालय द्वारा जारी किया गया है। 137 प्रकरणों में चिन्हांकित सम्पत्ति जिसकी अनुमानित कीमत 678 करोड़ 68 लाख 63 हजार 423 रूपये है, जिसमें से राज्य के भीतर 116 करोड़ 63 लाख 95 हजार 262 रुपये तथा राज्य के बाहर 562 करोड़ 04 लाख 68 हजार 161 रुपये की अनुमानित कीमत की सम्पत्ति की कुर्की के अंतरिम आदेश हेतु कलेक्टर्स के पास प्रक्रियाधीन है।

अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेला 12 को होगा

रायपुर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सड्डू विधानसभा रोड रायपुर में 12 जून को सबेरे 9 बजे से अप्रेंटिसशीप एवं रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला का उद्देश्य स्थानीय रोजगार को प्रोत्साहित करना है। योजनांतर्गत आयोजित किये जाने वाले अप्रेन्टिसशीप मेला में पोर्टल पर अधिक से अधिक उद्योग, प्रतिष्ठानों का पंजीयन किया जाना है, ताकि आई.टी.आई. उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी को रोजगार का अवसर मिल सके। समस्त उद्योग, प्रतिष्ठान अप्रेन्टिसशीप, प्लेसमेन्ट रखने हेतु सम्मिलित हो सकते है। साथ ही आई.टी.आई. उत्तीर्ण युवा भी भाग ले सकते है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि अप्रेन्टिसशीप प्रशिक्षण हेतु इच्छुक उम्मीदवार समस्त दस्तावेज के साथ संस्था में उपस्थित हो सकते है।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अत्यावश्यक सेवा संधारण को देखते हुए शासन ने पटवारियों के कार्य करने से इंकार किये जाने का किया प्रतिषेध

छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया गया आदेश

रायपुर। विगत 15 मई से जारी पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते आम जनता के राजस्व संबंधी कार्यों के निपटारे में काफी कठिनाई आ रही थी। राजस्व विभाग से जुड़ी अत्यावश्यक सेवाओं में हो रही बाधा के चलते शासन ने पटवारियों के कार्य करने से इंकार किये जाने का प्रतिषेध किया है। राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम, 1979 की धारा 4 की उपधारा 1 तथा 2 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राजस्व विभाग के पटवारियों के लिए यह आदेश जारी किया है। यह आदेश 7 जून से प्रभावीशील किया गया है और आगामी 3 महीने के लिए प्रभावशील रहेगा।

उल्लेखनीय है कि इस एक्ट के अंतर्गत राजस्व विभाग से जुड़ी अत्यावश्यक सेवाएं भी आती हैं। शासन ने लोकहित में यह निर्णय लिया है। पटवारियों के हड़ताल के चलते शिक्षा सत्र चालू होने एवं रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रियाधीन होने से विद्यार्थियों को जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। इन जरूरी दस्तावेजों के नहीं बनने से इन विद्यार्थियों को आने वाली दिक्कतों को संज्ञान में लेते हुए यह आदेश जारी किया गया है। साथ ही कृषि कार्य भी आरंभ होने वाला है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमांकन, बटांकन और नामांतरण की कार्यवाही शासकीय योजनाओं का लाभ लेने अत्यावश्यक है। पटवारी प्रतिवेदन के अभाव में राजस्व न्यायालयों का कार्य प्रभावित हो रहा है। इन सभी दिक्कतों को दृष्टिगत रखते हुए यह निर्णय लिया गया कि अत्यावश्यक सेवाओं की पूर्ति में बाधा होने से लोक हित प्रभावित हो रहा है और लोगों का कार्य सुचारू रूप से हो सके, उन्हें किसी तरह की दिक्कत न आये, इसके चलते यह आदेश जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ में हाथियों के मूवमेंट की हाईटेक मॉनिटरिंग

एआई आधारित 'छत्तीसगढ़ एलीफेंट ट्रैकिंग एंड अलर्ट एप' किया गया है विकसित

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में ग्रामीणों को मोबाइल पर मिल रहा है अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जंगलों में हाथियों के मूवमेंट की हाईटेक मॉनिटरिंग शुरू कर दी गई है। इसके लिए एआई आधारित 'छत्तीसगढ़ एलीफेंट ट्रैकिंग एंड अलर्ट एप' विकसित किया गया है। पिछले 3 महिनों से उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व में इस ऐप का उपयोग किया जा रहा है। 10 किलोमीटर के इलाके में हाथियों के रियल टाईम मूवमेंट का अलर्ट ग्रामीणों के मोबाइल पर सफलतापूर्वक भेजा रहा है। इस एप में ग्रामीणों के मोबाइल नंबर और जीपीएस लोकेशन का पंजीयन किया जाता है। जब एलीफेंट ट्रैकर्स द्वारा हाथियों के मूवमेंट का इनपुट एप पर दर्ज किया जाता है, तो एप द्वारा स्वचालित रूप से ग्रामीणों के मोबाइल पर अलर्ट जाता है।

छत्तीसगढ़ के हाथी प्रभावित इलाकों में ग्रामीणों को सतर्क करने के लिए वन प्रबंधन सूचना प्रणाली (एफएमआईएस) और वन्यजीव विंग द्वारा संयुक्त रूप से इस एप को विकसित किया गया है। यह एप एलीफैंट ट्रैकर्स (हाथी मित्र दल) से प्राप्त इनपुट के आधार पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई पर काम करता है। इस एप का उद्देश्य हाथी ट्रैकर्स द्वारा की जाने वाली 'मुनादी' के अलावा प्रभावित गांव के प्रत्येक व्यक्ति को मोबाइल पर कॉल, एसएमएस, व्हाट्सएप अलर्ट के भेजकर हाथियों की उपस्थिति के बारे में सूचना पहुंचाना है।

वर्तमान में उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व (गरियाबंद, धमतरी) के लगभग 400 ग्रामीणों को इस अलर्ट सिस्टम में पंजीकृत किया गया है और पिछले 3 महीनों से यह काम कर रहा है। अन्य वन प्रभाग भी एप का उपयोग कर सकते हैं और अपने संबंधित ग्रामीणों को पंजीकृत कर सकते हैं। एप को वन प्रबंधन सूचना प्रणाली (एफएमआईएस) और वन्यजीव विंग द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव द्वारा इकोपार्क मेचका, यूएसटीआर में एप को लॉन्च किया जाएगा।

अलर्ट एप इस तरह करता है काम

हाथी मित्र दल के सदस्य हाथियों के स्थान, झुंड के नाम, व्यवहार और अन्य विशेषताओं को फीड करने के लिए व्क्ज्ञ एप (ओपन सोर्स) का उपयोग करते हैं। यह व्क्ज्ञ एप ऑनलाइन मोड (रियल टाइम) और ऑफलाइन मोड (करीब-रीयल टाइम जब ट्रैकर मोबाइल नेटवर्क क्षेत्र से बाहर होते हैं) दोनों में काम करता है।

हाथी प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों के मोबाइल नंबर और जीपीएस लोकेशन को अलर्ट और ट्रैकिंग एप पर पंजीकृत किया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि जब भी हाथी ग्रामीणों से 10 किलोमीटर के करीब होगा, तो उन्हें एआई अलर्ट के माध्यम से कॉल, एसएमएस, व्हाट्सएप अलर्ट वास्तविक समय पर और हाथी ट्रैकर्स के मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता के आधार पर वास्तविक समय के आधार पर भेजे जाएंगे। एप क्रेडेंशियल्स केवल वन विभाग के अधिकारियों और स्वयंसेवकों (वन्यजीव विंग से अनुमोदन के बाद) को प्रदान किए जाएंगे ताकि एप का दुरुपयोग न हो सके। ग्रामीणों को एप इंस्टॉल करने की आवश्यकता नहीं है, उन्हें बस अपने मोबाइल नंबरों को संबंधित बीट गार्ड्स या रेंज कार्यालय के माध्यम से जीपीएस लोकेशन के साथ पंजीकृत करना होगा।

हाथी के अलावा तेन्दुआ, भालू, जंगली भैंसों की उपस्थिति का अलर्ट भेजने में भी सक्षम

अलर्ट एवं ट्रैकिंग एप द्वारा समय अवधि फिल्टर का उपयोग करके हाथी मार्ग को ट्रैक कर, हाथियों के झुंड को फिल्टर किया जा सकता है और अलग-अलग मार्गों को ट्रैक किया जा सकता है (जैसे-सिकासार दल, चंदा दल आदि)। इस एप का केवल हाथी ही नहीं, अन्य मांसाहारी, सर्वाहारी जानवर (तेंदुआ, सुस्त भालू), मैना, जंगली भैंसों की उपस्थिति का भी अलर्ट भेजने, अनुसंधान हेतु, आवास विकास, आवश्यकता के अनुसार योजना बनाने, ट्रैक करने में उपयोग किया जा सकता है।

हांगकांग में बेसबाल का हुनर दिखाकर अब कनाडा रवाना होगी अंजली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जब आपके अंदर कुछ कर गुजरने को जुनून हो तो मुश्किल परिस्थितियां भी हौसलों को डिगा नहीं पाती और सफलता एक ना एक दिन आपके कदम जरूर चूमती है। इसे साबित किया है बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम सिविलदाग में रहने वाली अंजली खलखो ने। आज वह अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बदौलत इंडियन बेसबाल टीम से खेलकर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रही है। अंजली ने हाल ही में हांगकांग में आयोजित वूमेंस एशिया बेसबॉल चौम्पियनशिप में इंडियन टीम का हिस्सा रहीं। जिसमें इंडियन टीम एशिया लेवल पर 06 वें स्थान पर रही। अंजली आगामी दिसम्बर माह में कनाडा में होने वाली प्रतियोगिता में शामिल होंगी।

अंजली खलखो की प्रतिभा को पहचानते हुए समय-समय पर छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा उन्हें सहयोग और अवसर प्रदान किया गया। सिविलदाग कुसमी विकासखण्ड का एक छोटा सा गांव है। किसान रिजू खलखो एवं महिला बाल विकास विभाग में कार्यरत कर्मचारी राजमणी खलखो की पुत्री अंजली बताती है कि उसने कक्षा 6 वीं से ही बेसबॉल खेलना शुरू कर दिया था। अपनी उपलब्धि का श्रेय उन्होंने अपने परिवार, कोच अख्तर खान, अपनी स्पोर्टस् टीचर सुश्री हेमलता को देते हुए कहती हैं कि सभी ने बचपन से उन्हें खेलने के लिए लगातार प्रेरित किया है। अंजली कहती हैं कि उनके वर्तमान उपलब्धियों में उनके पारिवारिक सहयोग के साथ-साथ छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने शासन-प्रशासन से सहयोग के लिए गुहार लगाई। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन का उन्हें भरपूर सहयोग मिला। जिसके कारण वे आज इस मुकाम तक पहुंच पाई हैं। अंजली की प्राथमिक शिक्षा लरंगी और रातासिली जैसे शासकीय प्राथमिक शालाओं से हुई है। इसके बाद कक्षा 6 वीं की शिक्षा उन्होंने बिलासपुर से ली। वर्तमान में वे रायपुर में बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन में अध्ययनरत हैं। बिलासपुर में ही उन्होंने अपने खेल की शुरुआत की जिसके बाद वे अनुभाग, जिला और राज्य स्तर पर खेलते हुए भारतीय टीम का हिस्सा बनी। अंजली ने कलेक्टर रिमिजियुस एक्का से मुलाकात कर अपनी उपलब्धियों को साझा किया। अंजली ने बताया कि वे अपनी खेल यात्रा में अब तक नेशनल लेवल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक सहित कई अन्य पदक जीते हैं। कलेक्टर ने अंजली को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धियों की सराहना की एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

रीपा से बदल रही गांव और ग्रामीणों की तकदीर

गांव अब उत्पादक केन्द्र बनने की ओर अग्रसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) योजना गांव और ग्रामीणों के जीवन में बदलाव लाने माध्यम साबित होने लगी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप गांवों के गौठानों में स्थापित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क गांवों को अब उत्पादक केन्द्र का रूप देने लगे है। भाटापारा ब्लॉक के गुड़ेलिया गौठान के रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में लोहे का खीला एवं चैन लिंक्ड फेंसिंग जाली तार बनाने की यूनिट शुरू हुए अभी 13 दिन ही बीते है, कि इस यूनिट को संचालित करने वाली नारी शक्ति ग्राम संगठन को 25 लाख रूपए का सप्लाई का एडवांस आर्डर मिलना एक सुखद शुरूआत है। कभी दूसरे राज्यों में काम की तलाश में जाने वाली महिलाएं अब गौठान के रीपा में ही लोहे का खीला एवं चैन लिंक्ड फेंसिंग जाली तार निर्माण कर आर्थिक लाभ अर्जित करने लगी है। महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे खीला और फेंसिंग जाली की गुणवत्ता अच्छी होने के कारण स्थानीय बाजार में इसकी डिमांड होने लगी है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड भाटापारा के आदर्श ग्राम गुड़ेलिया में नारी शक्ति ग्राम संगठन की महिलाओं द्वारा लोहे का खीला एवं चैन लिंक्ड फेंसिंग जाली तार बनाने का कार्य 13 दिन पहले ही शुरू किया गया है। शासन की मदद से गुड़ेलिया के रीपा में स्थापित यूनिट से अभी तक कुल 2 क्विंटल खीला एवं चैन लिंक्ड फेंसिंग जाली तार के 25 रोल का निर्माण हो चुका है, जिसमें से 3 क्विंटल खीला सप्लाई का एडवांस आर्डर भाटापारा नगर के दुकानदार द्वारा दिया गया है।

रागी की खेती से सगनूराम सहित अन्य किसानों के जीवन में आ रहा बदलाव, आर्थिक समृद्धि की ओर हो रहे अग्रसर

धमतरी में लगभग डेढ़ हजार किसानों ने धान के बदले ली रागी की फसल

लघु धान्य फसलों को बढ़ावा देने लगातार किया जा रहा है कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लघु धान्य फसलों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है, जिसका असर अब छत्तीसगढ़ के किसानों के खेतों में दिखायी देने लगा है। कुछ वर्षो पूर्व किसान ज्यादातर मात्रा में धान की फसल लिया करते थे, किन्तु सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से प्रभावित होकर अब अन्य फसलों की ओर भी रूख कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ देश का इकलौता राज्य है जहां कोदो, कुटकी और रागी सहित अन्य मिलेट्स फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी और इसके वैल्यू एडिशन का काम भी किया जा रहा है। किसानों को नकदी फसल लेने हेतु प्रोत्साहित करने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया है। जिसके परिणामस्वरूप किसानों के जीवन में बदलाव दिखायी देने लगा है और किसान आर्थिक समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

प्रदेश में शुरू किए गए मिलेट मिशन का सार्थक परिणाम है कि अब किसान धान के बदले रागी, कोदो और कुटकी की फसल लेने लगे हैं। धमतरी जिले में लगभग 1 हजार 500 किसानों ने 1 हजार 200 हेक्टेयर में धान के बदले कोदो-कुटकी और रागी सहित अन्य फसल ली है।

शासन की इन्ही योजनाओं से प्रभावित होकर धमतरी जिले के ग्राम कलारबहार निवासी किसान सगनूराम नेताम ने बीते कुछ वर्षो से धान के बदले रागी की फसल लेनी शुरू की सगनूराम से बातचीत करने पर बताया कि बीते वर्ष 1 एकड़ खेत में रागी की फसल लगायी थी, जिसमें कुल 7 क्विंटल रागी की पैदावार हुई है। इस फसल से वह रागी के बीज तैयार करेगा। उन्होंने बताया कि बीते दिनों उसने बीज निगम में 25 हजार और बाजार में लगभग 17 हजार रुपए की रागी बिक्री की थी। इस प्रकार अगर सगनूराम धान की खेती करता तो उसे 10 क्विंटल के हिसाब से 25 हजार रूपये प्राप्त होते, किन्तु मिलेट्स की खेती से उसे लगभग 15-17 हजार रूपये प्रति एकड़ का अतिरिक्त आमदनी मिली। इसके लिए संबंधित विभाग द्वारा उसे नि:शुल्क बीज एवं वर्मी कम्पोस्ट खाद प्रदान किया गया था। सगनूराम ने रागी की विशेषता के बारे में बताया कि यह बहुत अधिक पौष्टिक और लाभप्रद है। इस फसल के लिए जहां पानी और समय कम लगता है, वहीं यह फसल 125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है और इसमें ज्यादा देखरेख की भी जरूरत नहीं पड़ती है। यही वजह है कि सगनूराम से प्रेरित होकर क्षेत्र के अन्य किसान भी लघुधान्य फसलों को लगाने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को दे रही सब्सिडी

छत्तीसगढ़ देश का इकलौता राज्य है जहां कोदो, कुटकी और रागी की समर्थन मूल्य पर खरीदी और इसके वैल्यू एडिशन का काम भी किया जा रहा है। कोदो-कुटकी 3000 रूपये प्रति क्विंटल की दर से और रागी की खरीदी 3378 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। साथ ही धान के बदले अन्य फसल लेने वाले किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत इनपुट सब्सिडी भी दी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा धान के बदले खरीफ की अन्य फसलों के साथ-साथ उद्यानिकी की फसल लेने पर 10 हजार रुपए प्रति एकड़ के मान से सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

किसान अब मिलेट्स की खेती करने आ रहे आगे

पोषक तत्वों के कारण मिलेट अनाजों की लगातार डिमांड बढ़ रही है। बढ़ती हुई डिमांड को देखते हुए किसान भी इन फसलों की खेती करने में रुचि ले रहे हैं। रागी, छत्तसीगढ़ में रागी को मड़िया के नाम से भी जाना जाता है। छतीसगढ़ में शुरू हुए मिलेट मिशन के तहत किसानों को इन फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को उन्नत बीज के साथ अन्य सहायता दी जा रही है। मंडी में रागी की कीमत भी काफी अच्छी मिल रही है और साथ ही इसकी खेती करना ज्यादा कठिन भी नहीं है। यानी रागी की खेती कर किसान कम मेहनत के ही अच्छी कमाई कर सकते हैं।

रागी के लाभ

रागी हाइवेल्यू क्रॉप, कैल्शियम, आयरन जैसे खनिज तत्वों से परिपूर्ण होता है। साथ ही फोलिक एसिड, एमीनोएसिड, एन्टी एजेंट, एंटी आक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व भी इसमें पाये जाते है। इसकी वजह से मोटापा, डायबटिस, रक्तचाप जैसी बीमारियों के रोकथाम में उपयोगी है। वहीं कुपोषण मुक्त और गर्भवती माताओं के लिए भी फायदेमंद है। साथ ही तनाव व अवसाद को दूर करने में भी रागी सहायक है। रागी में कैल्शियम की मात्रा सर्वाधिक पायी जाती है जिसका उपयोग करने पर हड्डियां मजबूत होती हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रभास को 'आदिपुरुष' में राघव का किरदार मिलने पर चिरंजीवी का कैसा था रिएक्शन, अभिनेता ने किया खुलासा

इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक 'आदिपुरुष' की चर्चा इस समय चारों ओर हो रही है। ओम राउत निर्देशित इस फिल्म में प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। बीते दिन फिल्म का नया और अंतिम ट्रेलर एक भव्य कार्यक्रम में तिरुपति में जारी किया गया था। जहां एक तरफ सभी को फिल्म का ट्रेलर खूब पसंद आया, वहीं दूसरी तरफ इस कार्यक्रम 'आदिपुरुष' के मुख्य अभिनेता प्रभास ने मेगास्टार चिरंजीवी द्वारा फिल्म में उनकी भूमिका पर दी गई प्रतिक्रिया पर का खुलासा भी किया। चलिए जानते हैं चिरंजीवी, प्रभास के इस किरदार के बारे में क्या सोचते हैं।

'आदिपुरुष' के ट्रेलर लॉन्च के लिए तिरुपति में आयोजित इस भव्य प्री-रिलीज इवेंट में प्रभास, कृति सनोन, ओम राउत सहित अन्य सारे कलाकार भी मौजूद थे। इस इवेंट में, प्रभास ने खुलासा किया कि चिरंजीवी ने उन्हें क्या कहा जब मेगास्टार को पता चला कि वह रामायण पर आधारित फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। प्रभास ने कहा, 'जब उन्हें हमारे प्रोजेक्ट के बारे में पता चला, तो उन्होंने मुझे कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे इस तरह की फिल्म करने का मौका मिल रहा है।

साल 2020 में फिल्म की घोषणा के बाद से ही 'आदिपुरुष' को लेकर लोगों के बीच काफी क्रेज रहा है। हालांकि, पिछले साल रिलीज किए गए टीजर के बाद से ही यह फिल्म विवादों में आ गई थी। रावण के लुक से लेकर खराब वीएफएक्स तक के लिए फिल्म को काफी ट्रोल किया गया था। इसके बाद मेकर्स ने फिल्म के बजट को बढ़ाकर इसमें एडिटिंग की और अब आखिरकार 'आदिपुरुष' सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

'आदिपुरुष' एक पौराणिक फिल्म है, जिसका निर्देशन और लेखन ओम राउत ने किया है। फिल्म रामायण पर आधारित है। यह फिल्म आज से नौ दिन बाद 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। 600 करोड़ के बजट में बनी इस पौराणिक गाथा में प्रभास 'भगवान राम', कृति सनोन 'माता सीता' और सैफ अली खान 'लंकेश रावण' की भूमिका में हैं। ओम राउत द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है।

16 की उम्र में शिल्पा को मिला था पहला विज्ञापन एक्ट्रेस ने 'बाजीगर' से जीती थी अभिनय की बाजी

बॉलीवुड में ऐसी कई अभिनेत्रियां होती हैं, जो अपने अभिनय से फैंस को अपना दीवाना बना देती हैं। हिंदी सिनेमा में एंट्री लेकर फैंस को अपने एक्टिंग से कायल कर देना कोई मामूली बात नहीं होती है। आज हम आपको बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन शिल्पा शेट्टी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने अपनी फिल्म से ऑडियंस को न केवल अपना दीवाना बनाया बल्कि अपनी फिटनेस से दर्शकों को मोटिवेट भी किया है।

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री का जन्म आठ जून 1975 को कर्नाटक के मैंगलोर शहर में हुआ था। शिल्पा दो बच्चों की मां हैं। इस उम्र में भी शिल्पा इतनी ज्यादा फिट और ग्लैमरस हैं कि वह अक्सर अपने फैंस के दिलों की धड़कन बढ़ा देती हैं। आज शिल्पा जिस मुकाम पर हैं, उसके लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा था। तो चलिए जानते हैं अभिनेत्री की जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से।

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस शिल्पा ने अपने करियर की शुरुआत एक बहुत ही छोटे से विज्ञापन से की थी, जिसके बाद अभिनेत्री ने सेकंड लीड के तौर पर बॉलीवुड फिल्म में कदम रखा था। उस समय शिल्पा महज 16 साल की थीं। इस विज्ञापन के बाद शिल्पा ने उन्होंने कई मॉडलिंग असाइनमेंट किए और एक लंबे संघर्ष के बाद अभिनेत्री ने साल 1993 में शाहरुख खान के अपोजिट फिल्म 'बाजीगर' से अपनी शुरुआत की। इस फिल्म में शिल्पा को बहुत छोटा सा रोल मिला था, लेकिन अपने अभिनय वह सबका ध्यान खींचने में कामयाब हुई थीं।

फिटनेस फ्रीक शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री अपने योगा के वीडियोज साझा करती रहती हैं। फैंस भी शिल्पा को काफी फॉलो करते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि सबको योगा सिखाने वाली शिल्पा खुद एक चीज से बहुत डरती हैं। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्हें ड्राइविंग से काफी डर लगता है। इसलिए वह अपने साथ ड्राइवर लेकर जाती हैं।

आज भी बॉलीवुड इंडस्ट्री में शिल्पा का कोई जोड़ नहीं है। अभिनेत्री अपने फैशन सेंस से कई यंग एक्ट्रेसेस को मात देती हैं। अभिनेत्री कुछ समय तक फिल्मों से किनारा कर लिया था, लेकिन फिल्म हंगामा से उन्होंने दोबारा बॉलीवुड में कदम रखा। अब शिल्पा रिएलिटी शोज जज करती नजर आती हैं।

'रफूचक्कर' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज, पांच अलग अलग राज्यों में ठगी करते नजर आए मनीष पॉल

भारतीय सिनेमा इंडस्ट्री में एंकर, कॉमेडियन और अभिनेता के रूप में अपने आप को स्थापित करने वाले मनीष पॉल इस समय अपने ओटीटी डेब्यू को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। अभिनेता जल्द ही ओटीटी वेब सीरीज 'रफूचक्कर' से अपने इस नए सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं। मनीष पॉल अपनी इस अपकमिंग सीरीज के लिए काफी उत्साहित हैं और फैंस के बीच उत्साह बढ़ाते हुए मेकर्स ने आज आखिरकार सीरीज का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर में मनीष पॉल देश का सबसे बड़ा ठग बने दिखाई दे रहे हैं।

रिलीज हुआ 'रफूचक्कर' का ट्रेलर

ट्रेलर में मनीष पॉल को कई अलग-अलग भेज बनाकर देश के कई राज्यों में ठगी करते हुए देखा जा सकता है। सीरीज की कहानी एक कॉनमैन प्रिंस के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जो हैदराबाद से लेकर दिल्ली तक के कई राज्यों में ठगी कर वहां से 'रफूचक्कर' हो जाता है। रफूचक्कर में मनीष पांच अलग-अलग अवतारों के साथ फैंस का मनोरंजन करने वाले हैं। सीरीज का ट्रेलर ड्रामा, सस्पेंस और भरपूर मनोरंजन का वादा करता है। ट्रेलर में मनीष पॉल के अलावा सुशांत सिंह, प्रिया बापट जैसे किरदार नजर आ रहे हैं।

मनीष पॉल की यह डेब्यू सीरीज में नौ एपिसोड है। ठगी के इर्द-गिर्द बुनी गई इस कहानी का लुत्फ दर्शक 'जियो सिनेमा' पर 15 जून से ले सकते हैं। खास बात यह है कि यह सीरीज बिल्कुल फ्री में स्ट्रीम की जा सरेगी। पिछले साल 'जुग जुग जियो' में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए अभिनेता ने कई पुरस्कार अपने नाम किए थे। इस सीरीज की शूटिंग पांच अलग-अलग राज्यों में की गई है।

सीरीज के ट्रेलर और अपने डिजिटल डेब्यू के बारे में बात करते हुए मनीष पॉल ने कहा, 'मैं भावनाओं के उतार-चढ़ाव का अनुभव कर रहा हूं। मुझे घबराहट हो रही है, मैं उत्साहित हूं, जिज्ञासु और आभारी हूं। मैं किसी न्यूकमर की तरह महसूस कर रहा हूं, मानो जैसे मैं अपना करियर फिर से शुरू कर रहा हूं।

ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा बनने से चूक गए ये 4 सितारे, खुद किया था इनकार

फिल्मी दुनिया में हर स्टार यही मनाता है कि उसकी हर फिल्म सुपरहिट हो। हर कोई सफल प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना पसंद करता है। हालांकि, फिल्म की रिलीज से पहले इस बात का सिर्फअंदाजा ही लगाया जा सकता है कि उनकी फिल्म हिट जाएगी। यही वजह है कि सितारे बहुत सोच-समझकर फिल्मों का चयन करते हैं। वहीं, कुछ एक्टर्स फिल्म साइन करने से पहले अपनी कुछ शर्तें रख देते हैं। सहमति न बनने पर वे फिल्में रिजेक्ट करने में देर नहीं करते। ऐसी कुछ वजहों के चलते बॉलीवुड के सितारे ब्लॉकबस्टर फिल्मों से हाथ धो बैठे हैं।

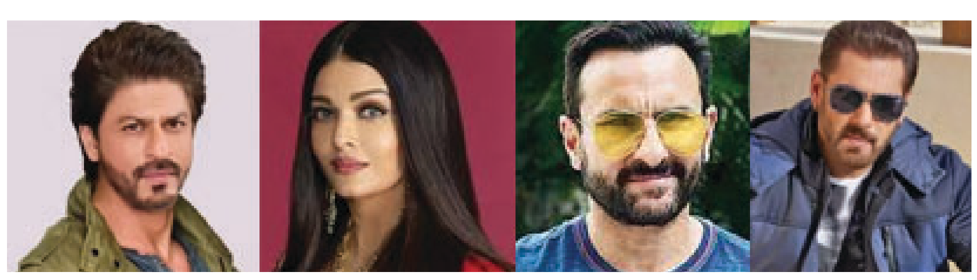

शाहरुख खान

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान काफी सोच-समझकर फिल्मों का चयन करते हैं। किरदार को लेकर जरा भी संशय होने पर वह फिल्म करने से इनकार कर देते हैं। उन्होंने ऐसा ही कुछ किया था फिल्म '3 इडियट्स' को लेकर। वर्ष 2009 में आई इस फिल्म में रैंचो का रोल सबसे पहले शाहरुख खान को ऑफर हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर को लगा यह रोल वह ठीक से नहीं कर पाएंगे, इसलिए इनकार कर दिया। बाद में यह रोल आमिर खान को मिला। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

सलमान खान

वर्ष 2007 में आई फिल्म 'चक दे इंडिया' खूब पसंद की गई। शिमित अमिन द्वारा निर्देशित यह फिल्म शाहरुख खान से पहले सलमान खान को मिली थी। लेकिन, रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान को इस फिल्म का क्लाइमैक्स पसंद नहीं आया था। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को करने से इनकार कर दिया था। एक इंटरव्यू में खुद सलमान ने कहा था, 'मुझे फिल्म के क्लाइमैक्स से दिक्कत थी। आदित्य चोपड़ा ने मुझसे कहा था कि मैं इसे सबसे बड़ी हिट बनाऊंगा और आप नहीं जानते कि आप क्या मिस करने जा रहे हैं। मैं भाग्यशाली था कि 'पार्टनर' ने अच्छा काम किया। 'चक दे इंडिया' ने अच्छा किया, शाहरुख खान ने सच में अच्छा काम किया। मैं गलत था और आदित्य चोपड़ा वैसे ही बनाया जैसा मुझे सुनाया था और मुझे लगा था कि ये कैसे चल सकता है यार, ये नहीं चलेगा।

ऐश्वर्या राय

आमिर खान और करिश्मा कपूर अभिनीत फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। दिलचस्प बात यह है कि करिश्मा कपूर से पहले यह फिल्म ऐश्वर्या राय को ऑफर हुई थी, लेकिन ऐश को 'मिस वर्ल्ड' में भाग लेने के लिए जाना पड़ा, इसलिए वह फिल्म नहीं कर सकीं।

सैफअली खान

फिल्म 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' शाहरुख खान से पहले सैफ अली खान को मिली थी। लेकिन डेट्स की समस्या के चलते एक्टर ने यह ऑफर रिजेक्ट कर दिया था। 1995 में रिलीज हुई यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स को सैफ के बोलने का अंदाज और एक्सेंट फिल्म के लिए सही लगा था, क्योंकि राज का किरदार लंदन बेस्ड था। हालांकि, उस वक्त सैफ के पास आदित्या चोपड़ा को देने के लिए डेट्स नहीं थीं। यही वजह है कि सैफ को ऑफर ठुकराना पड़ा।

पहली फिल्म हिट देने के बाद भी इंडस्ट्री में पांव नहीं जमा सकीं ये चार एक्ट्रेस

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए बहुत से कलाकार अपनी किस्मत आजमाते हैं। इनमें से बहुत से ऐसे भी आर्टिस्ट हैं, जिन्हें बड़ी फिल्मों से एक्टिंग डेब्यू करने का मौका है। बड़े पर्दे पर उनकी ये फिल्में हिट भी रहीं। हालांकि, इसके बाद वे इस सफलता को बरकरार नहीं रख पाए। हिंदी सिनेमा में ऐसी कई अदाकाराएं शामिल हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत इंडस्ट्री के बड़े-बड़े स्टार्स के साथ की, लेकिन फिर भी सफलता उनके हाथ नहीं लगी। आइए जानते हैं बॉलीवुड की ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों के बारे में जो फिल्म इंडस्ट्री में पहली हिट फिल्म देने के बाद भी बड़े पर्दे से गायब ही रहीं।

सोनल चौहान

अभिनेत्री सोनल चौहान ने अपने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत फिल्म जन्नत से की थी। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद भी उनका करियर उड़ान नहीं भर सका। पहली फिल्म के बाद उन्होंने बिग बी के साथ बुड्ढा होगा तेरा बाप में काम किया था, लेकिन यह फिल्म बड़े पर्दे पर कमाल नहीं दिखा सकी। बाद में, वह धीरे-घीरे इंडस्ट्री से गायब होती चली गईं।

ग्रेसी सिंह

ग्रेसी सिंह का बॉलीवुड में डेब्यू काफी शानदार रहा था। फिल्म लगान ने उन्होंने अपनी शुरुआत की थी। यह फिल्म टिकट खिड़की पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इसके बाद वह मुन्नाभाई एमबीबीएस में नजर आईं। हालांकि दो बड़ी हिट फिल्मों के बाद भी उनका करियर ग्राफ नीचे चला गया और धीरे-धीरे वह इंडस्ट्री से ओझल हो गईं।

प्राची देसाई

प्राची देसाई ने एक्टिंग की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। यहां सफलता मिलने के बाद उन्होंने फिल्मों की तरफरुख किया। अभिनेत्री की पहली फिल्म रॉक ऑन थी। फरहान अख्तर स्टारर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही, लेकिन इससे प्राची को कुछ खास मदद नहीं मिली। रॉक ऑन के बाद वह कई फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, उम्मीद के मुताबिक उन्हें सफलता नहीं मिल सकी।

ईशा गुप्ता

ईशा गुप्ता भी इस लिस्ट में शामिल हैं। ईशा को उनकी बोल्डनेस के लिए जाना जाता है। साल 2007 में फेमिना मिस इंडिया में भाग लिया था। इसके अलावा ईशा को मिस फेटोजेनिक का अवॉर्ड भी मिल चुका है। फिल्म जन्नत 2 से उन्होंने फिल्मों में एंट्री की थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही, लेकिन इसके बाद उन्होंने कई फ्लॉप फिल्में दीं। फिलहाल ईशा फिल्मों में कम ही दिखती हैं।

हरमन बावेजा का खुलासा, बोले- 'लवस्टोरी 2050' की आलोचना ने कर दिया था आहत

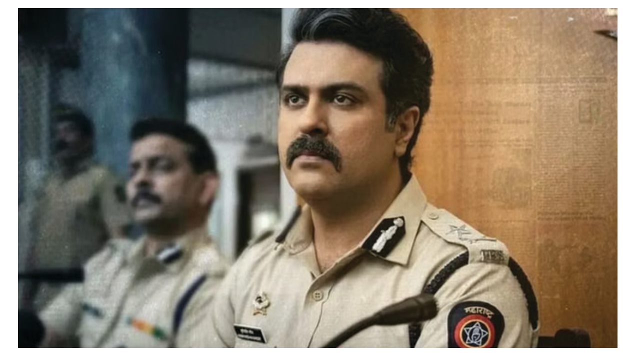

हरमन बवेजा ने हाल ही में हंसल मेहता की वेब सीरीज 'स्कूप' से एक्टिंग की दुनिया में लंबे समय बाद वापसी की है। इस शो में उनके अभिनय को काफी सराहा जा रहा है। इस बीच अभिनेता ने उस समय को याद किया जब उनकी पहली फिल्म लव स्टोरी 2050 में प्रियंका चोपड़ा के साथ उनके परफॉर्मेंस के लिए उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। इस फिल्म का प्रदर्शन बॉक्स ऑफिस पर काफी खराब रहा था। साथ ही, उनके बारे में कई घटिया बातें लिखी गई थीं।

अब एक नए इंटरव्यू में उन्होंने उन दिनों को याद करते हुए कई राज खोले हैं। अभिनेता ने बताया कि फिल्म रिलीज होने के अगले दिन, उनकी बहन और मां पम्मी बावेजा सहित परिवार के चारों सदस्य छुट्टी पर चले गए थे और अलग-अलग कोने में बैठकर सोच रहे थे कि फिल्म के साथ ऐसा क्यों हुआ?

बता दें कि 'लव स्टोरी 2050' के बाद हरमन की 'विक्ट्री' (2009), 'व्हाट्स योर राशि' (2009) और 'ढिशकियाओं' (2015) रिलीज हुई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी थी। उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म से पहले ही ये सभी फिल्में साइन कर ली थीं।

उन्होंने अपनी हिम्मत और निर्देशकों पर भरोसा करके इन फिल्मों को साइन किया था लेकिन, उनकी एक भी फिल्म कामयाब नहीं हो सकी। उनके लुक्स और डांस स्किल्स की भी लगातार ऋतिक रोशन से तुलना की जा रही थी, जिसकी वजह से वह एक अभिनेता के रूप में खुद को स्थापित नहीं कर सके।

इसके बाद हरमन ने अंततः अभिनय छोड़ने का फैसला किया और अपना ध्यान प्रोडक्शन और लेखन की ओर लगाया। इस दौरान उनके माता-पिता उनका काफी सपोर्ट किया। उन्होंने कहा, मैं बहुत निराश था। मैं सोचता था, 'क्या मुझे इसकी आवश्यकता है? मैं बस आराम करूंगा। यहां तक कि अपने अंदर के अभिनेता को जीवित रखने की कोशिश भी नहीं की, क्योंकि अगर ऐसा करता तो मैं जीवन में आगे नहीं बढ़ पाता।' हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि आलोचकों से मिली क्रूर आलोचना ने उन्हें बहुत आहत किया।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

जिला चिकित्सालय में 3 मेजर और 5 माइनर सर्जरी कर, रतन मंडावी का बचाया हाथ

सुकमा। शासन-प्रशासन के सहयोग से स्वास्थ्य के क्षेत्र में विस्तार के साथ ही लगातार जिला चिकित्सालय अपने सफलता के नये आयाम गढ़ रहा है। जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की टीम ने एक बार फिर कमाल करके दिखाया है। डॉक्टरों ने रतन मंडावी की 3 मेजर और 5 माइनर सर्जरी करके उसका हाथ बचा लिया गया। रतन मंडावी का हाथ डामर प्लांट की चपेट में आने से कोहनी की मांसपेशियां पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। हादसे के बाद हाथ को काटने तक की नौबत आ गई थी। इन मामलों में सर्जरी बेहद कठिन हो जाती है और सामान्यत: ऐसे मामले प्लास्टिक सर्जन ही करते हैं। जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों की टीम ने समय पर रतन मंडावी के हाथ की जटिल सर्जरी कर हाथ को कटने से बचा लिया। आधुनिक टेक्नालाजी और विशेषज्ञ डाक्टरों की वजह से जिला अस्पताल में यह बड़ी उपलब्धि संभव हो पाई है। डॉक्टरों ने मंडावी की 3 मेजर और 5 माइनर सर्जरी के बाद आज किशोर का हाथ पहले की तरह कार्य करने लगा है। युवक के पिता लालू मंडावी कहते है कि उन्हें उम्मीद ही नहीं थी कि उनके बेटा का हाथ दोबारा काम करेगा। यह हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। अस्पताल में सर्जरी हुई है इससे इस बात का पता लगता है कि हमारे चिकित्सकों की विशेषज्ञता से आम जनता को पूरा लाभ मिल रहा है। सर्जन और उनका स्टाफ पूरी तन्मयता से जटिल सर्जरी भी कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा अस्पताल की अधोसंरचना को बेहतर करने की दिशा में जो काम किया गया है उसका अच्छा नतीजा देखने में आ रहा है।

खिलाड़ियों को कलेक्टर ने किया प्रोत्साहित

सूरजपुर। भारत सरकार संस्कृत मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफसोशल साइन्स भुवनेश्वर के सहयोग से अनुसूचित जनजातीय खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 10 खेल प्रतियोगिता तथा 18 जनजातीय डेमोस्ट्रेशन गेम्स का आयोजन 09 से 12 जून 2023 को भुवनेश्वर (उड़ीसा) में किया जा रहा है। राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन 25 मई 2023 को बहतराई स्टेडियम बिलासपुर में किया गया, जिसमें तीरंदाजी, फुटबॉल एथलेटिक्स, हॉकी, खो-खो, रग्बी स्वीमिंग, वॉलीबाल व योगासन खेल सम्मिलित थे। चयन ट्रायल में जिले के 07 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर हेतु किया गया है। फुटबॉल बालक वर्ग में रोहित कुमार सिंह व विकास सिंह, व्हॉलीबाल बालक वर्ग में महेन्द्र प्रताप सिंह, धनेश्वर सिंह, बालिका वर्ग में प्रियंका सिंह, शीतल सिंह पूजा पैकरा का चयन हुआ है तथा खिलाडियों के साथ ऑफिसियल्स के रूप में जाने हेतु दिनेश साहू प्रधानपाठक, शा.प्रा.शाला बारनवापारा को नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर सभी चयनित खिलाड़ियों को कलेक्टर संजय अग्रवाल ने संयुक्त कार्यालय में बॉलीबाल व फुटबॉल प्रदान कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित करते हुये अग्रिम शुभकामनाएं दी।

यादव समाज के लिए मोरधा में कराया जाएगा सामुदायिक भवन का निर्माण

महासमुंद। ग्राम पंचायत मोरधा में यादव समाज के लिए तीन लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन बनेगा। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने यादव समाज के पदाधिकारियों की मांग पर भवन निर्माण के लिए विधायक निधि से तीन लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। जिस पर यादव समाज के पदाधिकारियों ने संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर का आभार जताया है। आज बुधवार को शेर सोसाइटी अध्यक्ष डॉ परमानंद साहू के नेतृत्व में यादव समाज के पदाधिकारी संसदीय सचिव निवास पहुंचकर संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर से मुलाकात की। इस दौरान यादव समाज के पदाधिकारियों ने संसदीय सचिव श्री चंद्राकर को बताया कि ग्राम पंचायत मोरधा में बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग निवासरत है। यहां यादव समाज का भवन नहीं होने से सामाजिक, धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यहां सामाजिक भवन निर्माण के लिए राशि की मांग की। जिस पर संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने सामाजिक भवन निर्माण के लिए विधायक निधि से तीन लाख रूपए की राशि देने की घोषणा की। राशि की घोषणा पर पुरूषोत्तम लाल यादव, अरूण यादव, गोपाल यादव, बोहरन यादव, सेवकराम यादव, नरेश यादव, मिलापराम यादव, राकेश यादव, डोमार यादव, राजू यादव, चरण यादव, मनीष यादव, रेखराम यादव, संतोष यादव, संतू यादव, सुरेंद्र यादव, दिनेश यादव, राजेंद्र यादव, बलराम यादव, नारायण यादव, डोमन यादव, रमेश यादव, दयालुराम यादव आदि ने संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर का आभार जताया है।

मितान बन 5500 वां कार्ड लेकर कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा पहुंचे हितग्राही के घर

मुख्यमंत्री मितान योजना से 14545 पर कॉल कर घर बैठे मिल रही हैं नागरिक सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री मितान योजना से लोगों को घर बैठे ही अपने जरूरी प्रमाण पत्र और दस्तावेज बनकर मिल रहे हैं। रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में कबीर चौक निवासी ओमप्रकाश अग्रवाल ने राशन कार्ड बनवाने 14545 पर कॉल कर 5 जून को दस्तावेज दिया और आज 7 जून को उनका कार्ड तैयार हो गया। जिसे देने कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा खुद मितान बनकर ओमप्रकाश अग्रवाल और श्रीमती सुलोचना देवी अग्रवाल के घर पहुंचे और उन्हें उनका राशन कार्ड सौंपा।

इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा भी उपस्थित रहे। श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने सोचा नहीं था कि कलेक्टर खुद मितान बनकर कार्ड देने आयेंगे। उल्लेखनीय है कि यह निगम क्षेत्र में मितान योजना के तहत निराकृत किया गया 5 हजार 500 वां प्रकरण था।

इस मौके पर कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर नगर निगम क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को नागरिकों के घर तक पहुंचाने के लिए मितान योजना की शुरुआत की गई है। रायगढ़ निगम क्षेत्र में आज 5500 वें दस्तावेज की डिलीवरी आज की जा रही है। इसके तहत आज हितग्राही को उनका राशन कार्ड बनाकर दिया गया है। राशन कार्ड की यह सुविधा हाल ही में मितान योजना के तहत शामिल की गई है। कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि योजना का उद्देश्य है कि लोगों को घर बैठे प्रमाण पत्र व दस्तावेज बनाकर दिए जाएं। इसके लिए उन्हें अनावश्यक भटकना न पड़े।

इस बारे में श्री ओमप्रकाश अग्रवाल से बात करने पर उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि सिर्फ एक कॉल से उनका राशन कार्ड तैयार हो गया जिसे देने खुद जिले के कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि 5 तारीख को उन्होंने सारे दस्तावेज दिए और आज राशन कार्ड बनकर घर पहुंच गया। इसके कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का नागरिक सुविधाओं को एक कॉल पर लोगों के घर तक पहुंचाने वाली इस सुविधाजनक योजना के लिए बहुत बहुत आभार जताया।

एक साल में 5 हजार 500 आवेदनों का निराकरण

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर 1 मई 2022 को प्रदेश के नगर निगम क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं की घर पहुंच सेवा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री मितान योजना की शुरुआत है। रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत पिछले एक साल में विभिन्न सुविधाओं के तहत 5 हजार 500 आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है।

मितान योजना से श्रम और समय की हो रही बचत

मितान योजना के अंतर्गत प्राप्त सेवाओं में मूल निवासी प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति जनजाति प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, भूमि की रिकार्ड की नकल, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र सुधार और दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज मितान सेवा से प्राप्त किये जा सकते हैं। इसी तरह मृत्यु प्रमाण पत्र सुधार, विवाह प्रमाण पत्र सुधार, आधार कार्ड पंजीकरण, (5 वर्ष तक के बच्चों का) आधार कार्ड में पता एवं मोबाइल नंबर में सुधार घर बैठे मितान सेवा से प्राप्त किए जा सकते हैं। अभी हाल ही में राशन कार्ड की सुविधा भी योजना में शामिल की गई है। जिसके तहत राशन कार्ड ट्रांसफर/सरेंडर, राशन कार्ड सुधार, नया राशन कार्ड एपीएल, राशन कार्ड गुम केस, राशन कार्ड में नाम जोड़ना/काटना, नया राशन कार्ड बीपीएल बनाने की सुविधा प्रदान की जा रही है।

मतदान केन्द्रों में रहे आवश्यक बुनियादी सुविधाएं - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह की अध्यक्षता में विधानसभा निर्वाचन के दृष्टिगत तैयारी की समीक्षा के लिए बैठक ली गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा एवं जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन के लिए आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें। मतदान केन्द्रों में दिव्यांगजनों के लिए रैम्प, पेयजल, फर्नीचर एवं बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्ययोजना अनुसार कार्य किया जाना है। इसके लिए मतदान केन्द्रों में संवेदनशील, अतिसंवेदनशील एवं राजनीतिक दृष्टिकोण से संवेदनशील मतदान केन्द्रों के संबंध में चर्चा की गई। उन्होंने संवेदनशील मतदान केन्द्रों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस बलों की ड्यूटी लगाने के लिए कहा। मतदाता सूची में नाम जोडने् एवं काटने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्वीप अंतर्गत 18 वर्ष से अधिक युवाओं को जोड़ते हुए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को गति देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी मुस्तैदी से कार्य करेंगे। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस बल तैनाती के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर ने मतदान दलों के लिए बस की व्यवस्था, रूट चार्ट, ईवीएम परिवहन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिले में निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण कैलेण्डर के संबंध में चर्चा की।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों तथा संवेदनशील मतदान केन्द्रों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से अतिरिक्त पुलिस बल तैनाती के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान अवैध शराब परिवहन करने वालों पर का कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मुस्तैदी से कार्य करेंगे। उन्होंने ईव्हीएम परिवहन के दौरान तथा निर्वाचन सामग्री ले जाते समय पुलिस बलों की ड्यूटी लगाने कहा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी खेमलाल वर्मा ने विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में किए जा रहे आवश्यक तैयारी के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में चार विधानसभा क्षेत्र हैं।

बचत पत्र की सुविधा उपलब्ध

महिला सम्मान बचत पत्र में निवेश के लिए डाकघर पहुंची राज्यसभा सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आजादी के अमृतकाल में महिलाओं को वित्तीय रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से डाकघर में महिला सम्मान बचत पत्र की सुविधा उपलब्ध कराई है। बुधवार को राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय महिला सम्मान बचत पत्र के माध्यम से निवेश के लिए दुर्ग के मुख्य डाकघर में पहुंचीं। वहां स्वयं फॉर्म भरकर काउंटर पर जमा किया। सांसद सरोज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लगातार महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए उन्हें साधुवाद है। मैं इस बचत पत्र को खरीदने स्वयं डाक घर आई हूं। सभी महिलाएं इससे जुड़ें और बचत की आदत डालें।

डाकघर के बाद राज्यसभा सांसद सरोज, सांसद निधि से दुर्ग शिवनाथ नदी में स्थित मुक्तिधाम में चल रहे कार्यों का अवलोकन करने पहुंची। अफसरों व ठेकेदारों को काम जल्द पूरा करने निर्देश दिए। खाली जगहों पर पौधरोपण करने कहा। सांसद सरोज ने कहा कि लोग मुक्तिधाम पहुंचने के बाद आवश्यक सुविधाओं के अभाव में और अधिक परेशान हो जाते हैं। ऐसे दुख की घड़ी में उन्हें समुचित व्यवस्था के अनुरूप परिजनों को अंत्येष्टि की व्यवस्था प्राप्त हो, इसलिए यह कार्य कराया जा रहा। बहुत जल्द सुसज्जित और व्यवस्थित मुक्तिधाम बनेगा। उनके साथ भाजपा पार्षद व वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की हुई नवीन पदस्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के नवीन पदस्थापना आदेश जारी किया गया है। राज्य सरकार ने दो जिलों के कलेक्टरों समेत कई आईएएस अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदल दी हैं।

जारी आदेश के अनसार परदेशी सिद्धार्थ कोमल सिंह सचिव मुख्यमंत्री,मुख्यमंत्री सचिवालय तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव लोक निर्माण विभाग,सचिव विमानन विभाग,सचिव खनिज साधन विभाग तथा सचिव जनसंपर्क विभाग को सचिव खनिज साधन विभाग एवं सचिव लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए सचिव उच्च शिक्षा विभाग एवं सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके पूर्व उक्त जिम्मेदारी आर प्रसन्ना सम्हाल रहे थे जिन्हें मुक्त किया गया है। संजय कुमार अलंग आयुक्त बिलासपुर संभाग को आयुक्त रायपुर संभाग बनाया गया है। भुवनेश्वर यादव सचिव उच्च शिक्षा विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार महिला एवं बाल विकास विभाग,सचिव समाज कल्याण विभाग एवं आयुक्त निशक्तजन,सचिव वाणिज्य एवं उद्योग विभाग को सचिव लोक निर्माण विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए सचिव समाज कल्याण विभाग एवं आयुक्त निशक्तजन,सचिव वाणिज्य एवं उद्योग विभाग का अतिरक्त प्रभार सौंपा गया है। यशवंत कुमार आयुक्त रायपुर संभाग को सचिव वाणिज्यिक कर पंजीयन विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए प्रबंध संचालक छग राज्य बेवरेजस कार्पोरेशन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जनक प्रसाद पाठक विशेष सचिव(स्वतंत्र प्रभार) आवास एवं पर्यावरण विभाग को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ साथ विशेष सचिव (स्वतंत्र प्रभार) वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

भीम सिंह संचालक स्वास्थ्य सेंवाएं तथा अतिरिक्त प्रभार आयुक्त वाणिज्यिक कर को आयुक्त बिलासपुर संभाग की जिम्मेदारी दी गई है। सुश्री शिखा राजपूत तिवारी अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सरगुजा संभाग, सरगुजा (अम्बिकापुर) के पद पर पदस्थ किया गया है। के.डी. कुंजाम विशेष सचिव सामान्य प्रशासन विभाग नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन को संचालक, भौमिकी एवं खनिकर्म तथा प्रबंध संचालक खनिज विकास निगम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जय प्रकाश मौर्य संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म तथा अतिरिक्त प्रभार प्रबंध संचालक राज्य खनिज विकास निगम एवं संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म तथा अतिरिक्त प्रभार प्रबंध संचालक राज्य खनिज विकास निगम एवं संचालक, नगर एवं ग्राम निवेश, विशेष सचिव, खनिज साधन विभाग को विशेष सचिव (स्वतंत्र प्रभार), खनिज संसाधन विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक स्वास्थ्य सेवायें के पद पर पदस्थ किया गया है। सुश्री रानू साहू संचालक कृषि तथा संयुक्त सचिव कृषि विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार प्रबंध संचालक राज्य मंडी बोर्ड एवं प्रभारी अधिकारी युवा मितान क्लब को संचालक नगर तथा ग्राम निवेश का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सारांश मित्तर प्रबंध संचालक रोड एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन तथा अतिरिक्त प्रभार प्रबंध संचालक औद्योगिक विकास निगम नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना मुख्य कार्यपालन अधिकारी, इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी रायपुर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी के अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा संचालक उद्योग एवं संयुक्त सचिव वाणिज्य एवं उद्योग विभाग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

बच्चों और महिलाओं की उचित शिक्षा और उनके कौशल उन्नयन के लिए व्यवस्था करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ.सर्वेश्वर भुरे ने कलेक्टोरेट के रेडक्रॉस सभाकक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति,बाल देखरेख संस्था,नारी निकेतन,सखी केंद्र तथा महिला सहायता केंद्र के संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि जिले में संचालित सभी संस्थाओं के बालक-बालिका और महिलाओं के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराएं।

सभी शासकीय और अशासकीय संस्थाओं को शासन द्वारा निर्धारित मेन्यू का पालन करना अनिवार्य है। बच्चों और महिलाओं को शासन द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुरूप रखें।इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इसी तरह किशोर न्याय बोर्ड में लंबित प्रकरणों को यथासंभव शीघ्र निराकरण करें।संस्थाओं में रहने वाले बच्चों और महिलाओं की उचित शिक्षा और उनके कौशल उन्नयन के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिए।इसके साथ ही उनके लिए स्वरोजगार के लिए व्यवस्था भी करें,ताकि वे समाज का अच्छा नागरिक बन सके और सुव्यवस्थित जीवन यापन कर सकें। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग ने मिशन वात्सल्य अंतर्गत जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों की जानकारी दी।उन्होंने अवगत कराया कि जिले में संचालित सभी संस्थाओं में शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।इसकी नियमित रूप से निरीक्षण भी किया जाता है। बैठक में जिले में संचालित बाल देख रेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों का निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं आधार बनाये जाये।

नाम परिवर्तन

मैं अबजद खान उम्र आ. मोहम्मद शमीम खान निवासी 133/ के. अशरफी रोड फरीद नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) मैने अपना नाम परिवर्तित कर लिया है मेरा नया नाम मोहम्मद अबजद खान पिता मोहम्मद शमीम खान है।

अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरा नया नाम मोहम्मद अबजद खान से जाना व पहचाना व पुकारा जावे। मेरा जन्म स्थान भिलाई जिला दुर्ग छ.ग. है।

मोहम्मद अबजद खान
133/ के. अशरफी रोड
फरीद नगर सुपेला
भिलाई तह. व जिला दुर्ग
(छ.ग.)

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

बाइक और बस की टक्कर दुपहिया चालक की मौत

दंतेवाड़ा (ए)। दंतेवाड़ा-गीदम मुख्यमार्ग पर बस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी है। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार युवक काफी दूर जा गिरा। उसके सिर और चेहरे पर गहरी चोट आई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत युवक की शिनाख्ति नहीं हुई है। बस चालक भी मौके से फरार हो गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला गीदम थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, भारत ट्रेवल्स की बस दंतेवाड़ा से गीदम जा रही थी, वहीं गीदम से दंतेवाड़ा की तरफ जा रहे एक बाइक सवार को शराब भट्टी तिराहे के पास अपनी चपेट में ले लिया । बताया जा रहा है कि, बस काफी तेज रफ्तार में थी। टक्कर के बाद बाइक चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने इस बात की खबर फौरन पुलिस को दी। जिसके बाद जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गीदम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। हालांकि युवक के पास से आधार कार्ड समेत अन्य किसी भी तरह के कोई भी दस्तावेज बरामद नहीं हुए, जिससे उसकी शिनाख्ति की जा सके। पुलिस अधिकारी आस-पास के थानों में घटना की जानकारी देकर मृतक के परिजनों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही बाइक के नंबर से भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। दंतेवाड़ा-गीदम मुख्यमार्ग में हारम पारा शराब भट्टी तिराहे के पास जिस जगह यह हादसा हुआ है वह ब्लैक स्पॉट है। इससे पहले भी उसी जगह पर कई हादसे हो चुके हैं। कुछ महीने पहले हुए हादसे में भी एक युवक की मौत हुई थी।

सड़क हादसे में लैब टेक्नीशियन की दर्दनाक मौत

रामानुजगंज (ए)। नगर के खोपा महुआ निवासी भरत ठाकुर के पुत्र सतेंद्र ठाकुर कोरिया के पोरी बचड़ा से गणेशपुर जाने के दौरान दोपहर करीब 2.30 बजे मोटरसाइकिल दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। उनका अंतिम संस्कार नगर के मुक्तिधाम में किया गया। सतेंद्र गणेशपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लैब टेक्नीशियन थे। सतेंद्र के निधन की सूचना जैसे ही रामानुजगंज में पहुंची तो नगर में शोक का माहौल निर्मित हो गया। सतेंद्र के दुर्घटना में मौत होने की सूचना पर केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह, पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े, सहित अन्य लोग बैकुंठपुर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूर्ण होने के बाद रेणुका सिंह सतेंद्र के शव के साथ रात्रि 12.30 बजे करीब रामानुजगंज पहुंची। अचानक जितेंद्र का मृत शरीर देखकर पत्नी सहित घर के अन्य महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। आज सतेंद्र का अंतिम संस्कार नगर के मुक्ति धाम में किया गया। जहां विधायक बृहस्पति सिंह सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित है।

मुखाग्नि उनके 10 वर्षीय मासूम पुत्र आदर्श ने दी। सतेंद्र के निधन पर विधायक बृहस्पत सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल, अशोक जयसवाल, राजेश यादव, शैलेश गुप्ता,प्रमोद कश्यप आदि ने शोक व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह सतेंद्र को अपना मुंह बोला भाई मानती थी। जैसे ही उनको सतेंद्र की दुर्घटना में मौत होने की सूचना मिली, वह तत्काल बैकुंठपुर पहुंची एवं शव का पोस्टमार्टम करा स्वयं सत्येंद्र के शव के साथ रामानुजगंज रात्रि 12.30 बजे के करीब पहुंची। सत्येंद्र के निधन से रेणुका सिंह के आंसू रुक नहीं रहे थे।

नशे की हालत में नाबालिगों ने कर दी अपने ही दोस्त की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में मंगलवार देर रात आपसी विवाद में तीन नाबालिगों ने अपने ही दोस्त की हत्या कर दी। तीनों ने पहले झगड़ा किया और फिर युवक का सिर पत्थर से कुचल दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने देर रात ही लहूलुहान हालत में युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में बुधवार को तीनों नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है। मामला मोहननगर थाना क्षेत्र का है।

देर रात खून से लथपथ पड़े युवक की सूचना पर पहुंची पुलिस

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को मंगलवार देर रात करीब 2 बजे सूचना मिली कि शक्ति नगर में एक युवक खून से लथपथ घायल हालत में पड़ा है। इस पर मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। युवक की शिनाख्त शक्ति नगर निवासी लुकेश यादव (23) पुत्र बलराम के रूप में हुई। बलराम साइंस कॉलेज में चपरासी के पद पर है। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला कि लुकेश नशे का आदी था।

शराब के नशे में झगड़े के बाद कर दी हत्या

पुलिस ने बताया कि आरोपी भी लुकेश के मोहल्ले के ही रहने वाले नाबालिग हैं। तीनों की लोकेश से दोस्ती थी। किसी बात को लेकर तीनों का लुकेश से पुराना विवाद था। देर रात चारों ने साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद नशे की हालत में पुरानी रंजिश को लेकर उनमें विवाद हो गया। आरोप है कि इस पर नाबालिगों ने उससे मारपीट की और फिर वहां पड़ा पत्थर उठाकर लुकेश के सिर पर पटक दिया। वारदात के बाद तीनों भाग निकले थे।

खड़ी ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार, एक की मौत दो गंभीर रूप से घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। यहां सड़क पर खड़ी ट्रक से तेज रफ्तार कार पीछे से टकराई। हादसे के बाद कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही एक युवक की मौत हो गई। वहीं कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

मिली जानकारी के अनुसार कोंडागांव के रहने वाले राहुल यादव, तरुण यादव व हरीश यादव चारामा में शादी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। वापस लौटते वक्त लखनपुरी पेट्रोल टंकी के पास कार को तेज और लापरवाही पूर्वक चलाने से एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। तेज गति होने की वजह से कार के परखच्चे उड़ गए। मौके में कार सवार राहुल यादव की मौत हो गई। वहीं दो अन्य तरुण यादव और हरीश यादव निवासी कोंडागांव गंभीर रूप से घयाल है।

मौके पर पहुची पुलिस ने रेस्क्यू शुरू किया और गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस का कहना है कि युवक काफी तेज रफ्तार से कार चला रहे थे। सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकराई। युवकों की लापरवाही पूर्वक ड्राइविंग हादसे का कारण है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

14 साल की नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

परिजनों ने बताया मानसिक बीमार, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में 14 साल की बच्ची द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। सुपेला थाना क्षेत्र नेहरू भवन के पास रहने वाली नाबालिग ने खुदकुशी है। आत्महत्या का कारण अज्ञात बताया जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस को परिजनों ने बच्ची के मानसिक बीमार होने की जानकारी दी है। बताया जा रहा है बच्ची कक्षा 8वीं में पढ़ती थी। सुपेला पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुपेला नेहरू भवन के पास रहने वाली संतोषी निर्मलकर ने बुधवार को अपने घर पर फांसी लगा ली। दोपहर को खाना खाने के बाद वह अपने छोटे भाई के साथ सोई हुई थी। शाम को जब छोटे भाई की नींद खुली तो उसने बहन को फांसी के फंदे पर लटके देखा। बहन को फंदे पर लटका देख वह काफी घबरा गया और

चीखते हुए मां के पास पहुंचा। परिजनों ने देखा तो वे भी बदहवास हो गए।

आनन फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाया और पीएम के लिए भेज दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि बच्ची मानसिक बीमार थी और उसका इलाज चल रहा था। बच्ची ने आत्महत्या क्यों की इसकी जानकारी नहीं मिली है। सुपेला पुलिस घटना की जांच कर रही है।

सरकारी नौकरी के नाम पर ठगी, चार गिरफ्तार

धमतरी (ए)। पशु चिकित्सा विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सिहावा टीआई लेखराम ठाकुर ने बताया कि प्रार्थी टिकेश्वर लहरे ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि पशु चिकित्सा

विभाग बिलासपुर में सहायक ग्रेड 3 में भर्ती कराने के नाम पर ग्राम तवेरा थाना रनचिरई निवासी भूपेन्द्र चाणक्य एव तिलक यादव दुर्ग निवासी दीपक नायर उर्फ सुनील तथा अरजकुंड थाना अबागढ़ निवासी मनोज रामटेके ने करीब 01 वर्ष होने जा रहा है।

5.80,000/-रूपये लिये थे जो न ही नौकरी लगाये और न ही पैसा वापस वापस कर रहे है। उक्त लोगों ने नौकरी लगाने का झांसा देकर 5,80,000 रू0 का ठगी किये है कि रिपोर्ट पर अपराध कमांक 86 / 2023 धारा 420, 34 भादवि. कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर द्वारा अपराध की परिस्थिति को देखते हुये त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश दिये थे।

जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेघा टेम्भूरकर साहू के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नगरी मयक रणसिंह के नेतृत्व में सिहावा पुलिस द्वारा टीम गठित कर त्वरित कार्यवाही की गई है।

पड़ोस के दो युवकों ने रेप के बाद की थी महिला की हत्या

10 दिन पहले नग्न अवस्था में मिली थी लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 10 दिन पहले नग्न अवस्था में मिली महिला की लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। जिले के गीदम थाना क्षेत्र के गांव में महिला की नग्न लाश मिलने से हड़कंप मच गया था। शुरुआती जांच में ही पुलिस ने कहा था कि महिला की रेप के बाद हत्या की गई। अब इस मामले में 10 दिन बाद पुलिस ने महिला के पड़ोस के ही दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों युवकों ने ही महिला का रेप किया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। दंतेवाड़ा के एसपी गौरव राय ने बुधवार शाम को इस मामले का खुलासा किया है।

बता दें 30 मई को दंतेवाड़ा जिले के गीदम ब्लॉक के हाऊरनार ग्राम पंचायत की रहने वाली 25 साल की शादीशुदा महिला का नग्न शव उसके घर से महज 500 मीटर की दूरी पर मिला था। शाम को पानी भरने महिला घर वापस नहीं लौटी। दूसरे दिन उसकी तलाश की गई तो उसका शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। पीएम रिपोर्ट के आधार पर रेप व हत्या का मामला दर्ज किया गया। 10 बाद पुलिस को इसमें सफलता मिली। पुलिस ने इस मामले में महिला के पड़ोस में रहने वाले दशाराम भास्कर (25) और मुन्नाराम भास्कर (19) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस ने बताया कि घटना 29 मई है। 25 महिला पर उसके पड़ोस में रहने वाले युवक दशाराम भास्कर और मुन्नाराम भास्कर की बुरी नजर थी। 29 मई की शाम को महिला कुएं से पानी भरने गई हुई थी। कुएं से पानी भरकर वह लौट रही थी। इस बीच दोनों युवकों की नजर उस पर पड़ गई। दोनों ने उसका रास्ता रोका और मुंह दबाते हुए झाड़ियों में ले गए। यहां दोनों ने बारी बारी महिला से दुष्कर्म किया और राज खुलने के डर से वहीं पर महिला की साड़ी उतारकर गला घोंट दिया। महिला की नग्न लाश को वहीं छोड़कर फरार हो गए।

जांच के दौरान शुरुआती साक्ष्य से पुलिस को यह शक था कि आरोपी गांव के ही हो सकते हैं। इस बीच मुखबिर के माध्यम से दोनों युवकों की संदिग्ध गतिविधियों का पता चला। यह भी पता चला कि घटना वाले दिन इन दोनों को देखा गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लिया और कड़ाई से पूछताछ में दोनों ने सच्चाई उगल दी। इसके पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

लंबे समय से फरार चिटफंड कंपनी का डायरेक्टर बिलासपुर से गिरफ्तार, दुर्ग पुलिस ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश की जनता से किए गए अपने वायदे को निभाते हुए चिटफंड कंपनियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्दश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रदेश में अनियमित वित्तीय कंपनियों (चिटफंड कंपनियों) एवं उनके संचालकों के खिलाफलगातार कारकाई की जा रही है जिसके फलस्वरुप पीड़ितों को उनका डूबा हुआ पैसा वापस मिल रहा है। अधिक ब्याज और जल्दी रकम दोगुनी करने के झांसे में आकर हजारों लोगों ने अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई गंवा दी थी।

शासन और प्रसाशन के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर लगातार चिटफंड कंपनी के डायरेक्टरो को गिरफ्तार करने में दुर्ग पुलिस के द्वारा लगातार कार्यवाही जारी है। अर्थतत्व क्रेडिट सोसायटी के डायरेक्टर इदरीश अहमद द्वारा आम लोगो को लुभावने ऑफर देकर जमा रकम कर कम समय में ज्यादा ब्याज दिलाने का भरोसा दिलाकर रकम जमा कराया गया था। समय अवधि पूर्ण होने पर निवेशकों द्वारा अपनी रकम वापस करने की मांग की। लेकिन कंपनी के डायरेक्टर द्वारा रकम वापस नहीं करने पर प्रार्थिया समृद्धि जैन की रिपोर्ट पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 02/2022 धारा 409 भादवि, दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, संजय ध्रुव तथा नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर निखिल राखेचा के मार्गदर्शन में अभियान चलाकर चिटफंड कंपनियों के फरार डायरेक्टरो को गिरफ्तार करने निर्देश दिये गये है। अर्थतत्व क्रेडिट सोसायटी एवं संस्कारधानी इन्फ्रा हाउसिंग लिमिटेड का डायरेक्टर इदरीश अहमद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी होते ही डायरेक्टर अपना निवास छोड़कर फरार हो गया था। जिसको लगातार तलाश किया जा रहा था किन्तु आरोपी का कोई पता नहीं चल रहा था। इसी दौरान जानकारी मिली की आरोपी बिलासपुर में रह रहा है। जानकारी मिलते ही सादी वर्दी में पुलिस तैनात किया गया था। जो उनके उपर सतत् निगाह रखे हुए थे। जब पूरी जानकारी होने पर की आरोपी इदरीश अहमद ही है तब सुपेला पुलिस द्वारा तत्काल टीम गठित कर बिलासपुर रवाना किया।

आरोपी को घेराबंदी कर बिलासपुर में बड़ी मशक्कत के बाद पकड़ा गया। जिसे आज गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। आरोपी से पुछताछ पर अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी के विरूद्ध थाना सुपेला, थाना नेवई व अन्य थानो में भी चिटफंड के कई प्रकरण दर्ज है। प्रकरण में चिटफंड की धारा छ.ग. के निष्पेक्षको के संरक्षण अधि. 2005 की धारा 10 जोड़ी गई। सुपेला पुलिस की इस कार्यवाही से निवेशको द्वारा जमा किये रकम वापस मिलने की सम्भावनाएं बढ़ी है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

संविदा नियुक्ति (शिक्षक, सहायक शिक्षक, व्याख्याता) के लिए दावा आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में शिक्षक, सहायक शिक्षक, व्याख्याता पद पर संविदा नियुक्ति हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों के परीक्षण उपरान्त पात्र एवं अपात्र की सूची प्रकाशित की गई है। जिस पर आवेदक 09 जून 2023 तक कार्यालयीन समय सुबह 10 से 05 बजे के मध्य दावा आपत्ति कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार यदि किसी आवेदक का नाम दावा आपत्ति सूची में नही है तथा उन्होने आवेदन डाक के माध्यम से प्रेषित किया था, ऐसी स्थिति में आवेदक से आवेदन के साथ रजिस्ट्री/स्पीड पोस्ट के रसीद की मूल प्रति प्रस्तुत किए जाने पर जांच उपरांत आवेदन स्वीकार किए जाने के संबंध में विचार किया जायेगा। दावा आपत्ति हेतु आवेदन प्राप्त होने के उपरान्त 12 जून 2023 तक मेरिट सूची प्रकाशित की जाएगी जिसका वेबसाईट durg.nic.in पद में अवलोकन किया जा सकता है। साक्षात्कार हेतु सूचना पृथक से वेबसाईट पर प्रकाशित की जाएगी।

सेजेस विद्यालय में प्रतिनियुक्ति के लिए साक्षात्कार 10 को

दुर्ग। सेजेस विद्यालय में प्रतिनियुक्ति हेतु प्राप्त आवेदनों के उपरांत योग्य अभ्यार्थियों का दस्तावेज सत्यापन एवं साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों की सूची वेबसाईट durg.gov.in पर अपलोड कर दी गई है। साक्षात्कार 10 जून को कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग में सुबह 10.30 से आयोजित की जाएगी। साक्षात्कार हेतु चयनित अभ्यर्थी को एक घंटा पूर्व साक्षात्कार स्थल पर पहुंचना होगा। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त एन.ओ.सी, नियुक्ति प्रमाण पत्र, कक्षा 10 वी, 12वीं, स्नातक, स्नात्कोत्तर की अंकसूची, अन्य आवश्यक शैक्षणिक दस्तावेज की मूलप्रति लाना होगा। आवेदको की मूल अंकसूची एवं अन्य मूल दस्तावेजों के सत्यापन में किसी प्रकार की कमी पाये जाने की स्थिति में आवेदक को साक्षात्कार में शामिल नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा किसी भी प्रकार की आपत्ति की स्थिति में आपत्ति निराकरण हेतु 9 जून तक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के कम्प्यूटर कक्ष में संपर्क कर सकते है।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा ग्राम अंडा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा दिनांक 06 जून 2023 को ग्राम अंडा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी के अतिरिक्त निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस शिविर में सामान्य जांच के साथ मुफ्त दवा का वितरण भी किया गया। शिविर का आयोजन ग्राम अंडा के प्राथमिक शाला में संपन्न हुआ। शिविर प्रातः 10.30 बजे से प्रारंभ होकर 01.15 बजे तक जारी रहा। शिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक श्रीमती डॉ ईशा कुजूर, फार्मासिस्ट एस बी राय, बीपी एवं शुगर परीक्षण हेतु श्रीमती रेखा देव, पंजीयन हेतु शम्भू तथा सीएसआर विभाग की ओर से सहायक श्रीमती सीता सिंह उपस्थित थी। इस शिविर में कुल 16 मरीजों की जांच करके उनको उचित सलाह के साथ दवाई वितरण किया गया। जिनमें 01 बच्चा, 08 पुरुष और 07 महिलाएं शामिल रहे। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है।

1.5 करोड़ की लागत से होगा तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन

4 वर्षो में शहर में किया गया स्वास्थ्य सेवाओं में अभूतपूर्व विस्तारः वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर में स्वास्थ्य सेवाओं एव जनस्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु किए जा रहे कार्यो की वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम अध्यक्ष अरुण वोरा ने समीक्षा की। सीएमएचओ डॉ जे पी मेश्राम, सिविल सर्जन वाय के शर्मा, डॉ राजेन्द्र खंडेलवाल समेत सीजीएमएससी एव स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ वोरा ने स्वास्थ्य सेवाओं के अपग्रेडेशन पर विस्तार से चचार्ज की।

विगत 4 वर्षो में दुर्ग जिले के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल के उन्नयन एवं शहर के सभी कोने में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ करने के लिए लगभग 100 करोड़ की राशि खर्च की गई है जिस कड़ी में कार्य लगातार प्रगतिरत हैं। जिला अस्पताल जैसी सुविधाएं विकसित करने के लिए शहर में बघेरा, पोटिया एवं धमधा नाका स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का अब हमर अस्पताल के रूप में उन्नयन किया जा रहा है। 50-50 लाख की राशि खर्च कर अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सोनोग्राफी, एक्स रे, डेंटल क्लिनिक, फिजियोथेरेपी सुविधाओं के साथ 24 घंटे ओपीडी एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध रहेगी साथ ही चौबीसों घंटे एमबीबीएस डॉक्टरों की मौजूदगी रहेगी। वोरा ने कहा कि 15 वषोर्ं के भाजपा शासन में दुर्ग शहर में स्वास्थ्य सेवाएं केवल जर्जर जिला अस्पताल के भरोसे चल रही थीं लेकिन कांग्रेस सरकार आने के बाद विगत 4 वर्ष में ना सिर्फजिला अस्पताल को मेट्रो सिटी की तर्ज पर स्मार्ट बनाया गया है बल्कि हर वार्ड में जनता के लिए घर के द्वार पर मुफ्त एवं बेहतर इलाज उपलब्ध कराया गया है।

500 बिस्तर वाला दुर्ग जिला अस्पताल मध्य आय वर्ग एवं गरीबों के इलाज का बड़ा सहारा है जहां गुणवत्तायुक्त बेहतर चिकित्सा आम जनों को प्राप्त हो इसे लक्ष्य बना कर कायजर् किया जा रहा है। आज हमर लैब में 214 तरह की जांच मुफ्त में कराई जा सकती है। सर्जिकल वार्ड, ट्रामा सेंटर, डेंटल ओपीडी, वायरोलॉजी लैब, ऑक्सीजन प्लांट, मेडिकल गैस पाइप लाइन की सुविधा से युक्त शासकीय अस्पताल पूरी तरह से अपग्रेड हो गया है साथ ही नया टीबी अस्पताल एवं क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण जारी है। वोरा ने सीजीएमएससी के अधिकारियों से प्रगतिरत कार्यो को समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि शहर के 21 वार्डो में 36-36 लाख से हमर क्लिनिक निर्माण स्वीकृत है जिनमें से 10 वाडोर्ं में क्लिनिक का स्वयं का भवन जल्द तैयार कर लिया जाएगा। इस दौरान सीजीएमएससी के एसडीओ इरशाद खान, ईई विक्रम गांधी, ललित वर्मा, स्वास्थ्य विभाग से टार्जन आदिले, खाद्य विभाग सीपी दीपांकर, भौमिक बघेल, रेणु जांगड़े, प्रकृति चंद्राकर, एल्डरमैन राजेश शर्मा, अंशुल पांडेय, ट्रैफिक डीएसपी सतीश ठाकुर, विंध्याचल, टीआई संग्राम सिंह उपस्थित थे।

रिसाली के विकास कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मरोदा चौपाटी को देखकर कलेक्टर ने कहा बनाए इसे मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रिसाली मरोदा चौपाटी को देखकर कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने पेंटिंग जोन के तहत ओवर ब्रिज के नीचे जगह का सदुपयोग करने के लिए आयुक्त आशीष देवांगन की तारीफकी। कलेक्टर ने इसे मॉडल की तरह विकसित करने के निर्देश दिए। रंग रोगन और व्यवस्थित गुमटी को देखकर कलेक्टर ने खाली जगह पर पेवर ब्लाक लगाने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने तीन पहर पर अनिवार्य रूप से सफाई व्यवस्था दुरस्त कराने के भी निर्देश दिए। फुटकर व्यापारी और चौपाटी में आए जनप्रतिनिधियों के लिए वाटर कुलर व सुरक्षा व्यवस्था आउट सोर्सिंग के माध्यम से कराने को कहा। मरोदा चौपाटी में बुनयादी सुविधा और विशेष साज सज्जा कर जिले में इसे मॉडल की तरह प्रस्तुत करने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन व निगम के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने प्रस्तावित मिलट कैफे एवं बीएसपी मार्केट के सामने मैत्री नगर में बनने वाले चौपाटी का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने पर्याप्त जगह का उपयोग कर शेष भूमि पर अतिक्रमण न हो इसके लिए विशेष व्यवस्था करने निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान सतनाम भवन के निकट निर्माणाधीन ऑक्सीजोन, गार्डन, अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर तैयार फुटबाल गाउंड, वार्ड के शीतला तालाब सौन्दर्यकरण कार्य का भी अवलोकन किया निरीक्षण के दौरान नगर पालिक निगम रिसाली के जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा से चर्चा की।

प्रशासन तुंहर द्वार के तहत् अधिकारी पहुंचे कुम्हारी

जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में 57 आवेदनों का निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के नगर पालिका परिषद कुम्हारी स्थित शासकीय स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम विद्यालय परिसर में आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। प्रशासन तुंहर द्वार के तर्ज पर आधारित इस शिविर में सभी विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी सम्मलित हुए।

कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने विभागों को प्राप्त लोगो की समस्या सम्बन्धी आवेदनों के निराकरण की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने मौके पर उपस्थित आवेदकों को विभागीय निराकरण से अवगत कराया । इससे पूर्व कलेक्टर श्री मीणा ने शिविर स्थल पर विभागीय स्टॉल का निरीक्षण किया और प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक निराकरण करने अधिकारियों को निर्देशित किया।शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों गोद भराई और बच्चों का अन्न प्रासन की रस्मअदायगी की गई। कलेक्टर ने नन्हे मुन्नों को अपने हाथों से खीर खिलाकर अन्न प्रासन की शुरुवात कराई। शिविर में विभिन्न विभागों को लोगो की समस्या सम्बन्धी कुल 228 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे से 57 आवेदन का मौके पर निराकरण किया गया । शेष लम्बित 171 आवेदनों के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। शिविर में कलेक्टर ने 6 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र तथा 6 हितग्राहियों को कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र वितरण किया।

समर कैंप खेल का हुआ भव्य समापनः कोच को सम्मानित करते हुए दिया गया प्रशस्ति पत्र, समापन अवसर पर खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत समर कैंप का आयोजन महापौर नीरज पाल की पहल से इस वर्ष भी किया गया था। जिसमे अनुभवी कोच के माध्यम से बच्चों को निःशुल्क खेल प्रशिक्षण की सुविधा मुहैया कराया गया।

10 मई से पंजीयन प्रारंभ किया गया था तथा 15 मई से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। बच्चों ने अलग-अलग खेल के मुताबिक विभिन्न खेल प्रांगण में अपना पंजीयन कराकर खेल सीखने के लिए भाग लिए थे। खेल के अलग-अलग विधाओं में खिलाड़ियों ने खेल की बारीकियों को अनुभवी एवं प्रशिक्षित कोच के माध्यम से सीखा। क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेनिस, खो-खो, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी, शतरंज, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, जूडो, कराटे, किक, बॉक्सिंग, रेसलिंग, बॉडीबिल्डिंग, पावरलिफ्टिंग, आर्म रेसलिंग, रस्साकशी, शूटिंग, मिक्स मार्शल आर्ट, शतरंज जैसे खेल को सीखने का अच्छा अवसर समर कैंप के माध्यम से खिलाड़ियों को मिला। अब समर कैंप का समापन हो गया है। खेल एवं युवा कल्याण के प्रभारी सदस्य आदित्य सिंह ने खेल के समापन अवसर पर कोच को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया और खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना की। समर कैंप के समापन के अवसर पर कराटे के खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए मैदान पर अपना दमखम साबित किया। इस दौरान उनके पालक एवं अभिभावक भी मौके पर मौजूद रहे। महापौर परिषद के सदस्य एवं खेल विभाग के प्रभारी सदस्य आदित्य सिंह ने इस दौरान कहा कि समर कैंप के माध्यम से खिलाड़ियों को एक नया अनुभव तथा खेल के छोटे-छोटे पहलुओं को समझने का अवसर मिलता है। अनुभवी कोचिंग के माध्यम से खेल अभ्यास सीखने पर किसी भी प्रकार की गलती होने से उसे तत्काल सुधारने का मौका भी मिलता है। समर कैंप का उद्देश्य खिलाड़ियों को एक अच्छा अवसर देते हुए उन्हें प्रशिक्षित करना है, ताकि शहर के बच्चे राज्य, देश और विदेश में भिलाई का नाम रोशन कर सकें। समर कैंप के समापन अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी पी.सी. सार्वा, सहायक अभियंता आर. एस. राजपूत व शरद दुबे आदि मौजूद रहे।

प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं कचरा फैलाने वालों पर लगातार कार्रवाई प्लास्टिक एवं झिल्ली पन्नी तथा कचरा फैलाते पाए जाने पर ले रहे जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में प्लास्टिक मुक्त अभियान को लेकर कार्रवाई निरंतर जारी है, निगम के सभी जोन कार्यालयों में स्वास्थ्य विभाग की टीम शहर में प्लास्टिक एवं झिल्ली पन्नी के कचरों के रोकथाम के लिए बाजार व व्यवसायिक क्षेत्र में कार्रवाई कर रहे है। टीम के द्वारा निरीक्षण के दौरान कहीं भी प्लास्टिक या अन्य कचरा फैलाते हुए पाए जाने पर उनसे जुर्माना भी लिया जा रहा है।

बाजार क्षेत्र में प्रतिबंधित झिल्ली, पन्नी विक्रय एवं उपयोग करते हुए पाए जाने पर प्रतिबंधित सामग्री को जप्त किया जा रहा है। भिलाई शहर से झिल्ली, पन्नी के कचरों को समाप्त कर प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लगातार बाजार तथा व्यवसायिक क्षेत्रों एवं दुकानों में निरीक्षण कर प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर जप्ती बनाने की कार्रवाई की जा रही है, ताकि हमारा शहर साफसुथरा हो और झिल्ली पन्नी के कचरों से फैलने वाले दुष्प्रभाव की रोकथाम हो सके। इसके लिए निगम प्रशासन द्वारा सभी जोन कार्यालयों में गठित टीम द्वारा अलग-अलग जगहों पर दुकानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में छापेमार कार्रवाई की जा रही है। जहां भी सिंगल यूज प्लास्टिक व प्रतिबंधित प्लास्टिक, पानी पाउच, गिलास, प्रतिबंधित झिल्ली, पन्नी, प्लास्टिक का दोना, पत्तल व प्लास्टिक अन्य सामग्री जो प्रतिबंधित है उस पर कार्रवाई की जा ही है। निगम आयुक्त ने प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग तथा विक्रय नहीं करने की अपील शहरवासियों से की है। शहर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए यह आवश्यक है कि प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करें। किसी भी प्रकार की सामग्री लेने के लिए कपड़े से बने थैले इत्यादि का उपयोग करें। भिलाई निगम ने सभी जोन में अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ की है। प्लास्टिक से पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचता है जिसको देखते हुए इस पर भिलाई निगम क्षेत्र में कड़ाई से कार्यवाही की जा रही है।

रात्रि के समय भी सड़क किनारे ठेला या स्टॉल लगाकर व्यवसाय करते हुए प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग व विक्रय करने वालो पर लगाम लगाया जा रहा है। इसके अलावा कचरे को इधर उधर फेंकते वाले, बिल्डिंग मटेरियल डंप कर सड़क बाधा, सीएनडी वेस्ट इत्यादि पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

स्वरोजगार के लिये मिलेगा भूखंड, करें आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप गोठान में महात्मा गांधी शहरी अर्बन इंडस्ट्रीयल पार्क बनाया जा रहा है। महात्मा गांधी शहर अर्बन इंडस्ट्रीयल पार्क की स्थापना से परिवारों को आजीविका के नए अवसर मिलेंगे। विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि महात्मा गांधी शहरी अर्बन इंडस्ट्रियल पार्क बनाये जाने से परिवारों को आजीविका के नये अवसर मिलेंगे।उन्होंने कहा स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिलने से महिला स्व सहायता समूहों की आय का अतिरिक्त साधन बनेगा। जिससे अर्बन इंडस्ट्रीयल पार्क में स्थानीय आवश्यकता और बाजार की संभावनाओं के आधार पर विभिन्न् प्रकार के उद्यम स्थापित किये जाएंगे।शहर उद्योग स्थापित करने के लिए इच्छुक हितग्राहियों को शासन की योजनाओं के तहत लोन भी उपलब्ध कराया जाएगा। गौरतलब है कि गोकुल नगर पुलगांव वार्ड 55 गोठान में प्रारंभिक तौर पर उइप प्रस्तावित है। महात्मा गांधी अर्बन इंडस्ट्रियल पार्क नगर निगम द्वारा गोकुल नगर के समीप राज्य शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी ढ्ढक्क योजना का शुभारंभ किया जा रहा है।इस इंडस्ट्रीयल पार्क में युवाओं के स्वरोजगार/स्टार्टअप गतिविधियों के लिए इच्छुक स्थानीय युवा,स्व सहायता समूहों को छोटे छोटे भूखंड उपलब्ध कराये जायेगा जिसमे सेवा सर्विस उद्योग स्थापित करने एवं संचालित किये जाने हेतु नगर पालिक निगम की वेबसाइट पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप में दिनाँक 10 जून 23 तक आवेदन कर सकते है। उपअभियंता भीमराव-मोबइलः-8827370856 से संपर्क भी कर सकते है।

साई कॉलेज में पात्रा इंडिया, शिवनाथ ऑटोमोबाइल्स और सिद्धाचलम लैब्स के कैंपस प्लेसमेंट में छात्रों का हुआ चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सांई महाविद्यालय भिलाई में पात्रा इंडिया , शिवनाथ ऑटोमोबाइल्स एवं सिद्धाचलम लैब्स के कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। पात्रा इंडिया के ओपन कैंपस इंटरव्यू में कुल 14 छात्र छात्राओं को शॉर्टलिस्ट किया गया और अंतिम राउंड में 6 छात्रों का चयन किया गया।

साई कॉलेज में शिवनाथ ऑटोमोबाइल्स (महिंद्रा), भिलाई द्वारा कस्टमर सर्विस एक्जीक्यूटिव एंड सेल्स के पद के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई जिसमे

शिवनाथ ऑटोमोबाइल्स की एचआर मैनेजर सुश्री मौसमी और एचआर एक्जीक्यूटिव सुश्री दिव्या ने कैंपस ड्राइव में 11 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जिनमें से 3 बीबीए फाइनल ईयर के छात्रों आदित्य कुमार साहू, सीएच नेहा, खुशी मिश्रा का चयन किया गया। इन सभी छात्रों का BBA 6th सेमेस्टर परीक्षा के पहले ही जॉब मिल गई। इसी प्रकार कॉलेज के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के द्वारा केमिस्ट्री एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग के छात्र-छात्राओं हेतु सिद्धाचालाम एनवायरोटेक लेबोरेटरी, रायपुर में केमिस्ट एवं बायोटेक्नोलॉजिस्ट के पद के लिए कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया । इस कैंपस इंटरव्यू पैनल में सिद्धाचालाम एनवायरोटेक लेबोरेटरी, रायपुर की डायरेक्टर डॉक्टर भावना जैन एवं ज्योति मैम उपस्थित रहीं। सिद्धाचल्म लैब्स के कैंपस प्लेसमेंट में साई कॉलेज के एमएससी केमिस्ट्री एवं एमएससी बायोटेक्नोलॉजी के तीन छात्रों पूजा शर्मा , निकिता श्रीवास्तव एवं मुकुंद कौशल का चयन हुआ। सभी कैंपस प्लेसमेंट के सफल आयोजन मे कॉलेज की ट्रेनिंग प्लेसमेंट इंचार्ज श्रीमती प्रिया भट्टाचार्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी कैंपस इंटरव्यू आईक्यूएस कोऑर्डिनेटर डॉ ममता सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए।

एसएमएस-3 ने अनुपयोगी अपशिष्ट से निर्मित किया विश्राम कक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने एसएमएस-3 में अनुपयोगी अपशिष्ट से निर्मित विश्राम कक्ष का उद्घाटन किया। इस विश्राम कक्ष का निर्माण एसएमएस-3 के ईडब्ल्यूएस सेक्शन की टीम द्वारा आंतरिक संसाधनों की सहायता से, कूलिंग टावरों के रखरखाव प्रक्रिया में उत्पन्न अपशिष्ट प्लास्टिक फिल का उपयोग करके किया गया।

कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपशिष्ट प्लास्टिक के पुनः उपयोग के लिए एसएमएस-3 के सामूहिक प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस औद्योगिक प्लास्टिक अपशिष्ट के पर्यावरणीय रूप से स्थायी निराकरण की दिशा में एक सतत प्रयास है, जिसके द्वारा धरती पर प्लास्टिक कचरे का बोझ कम किया जा सकेगा। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पी के सरकार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) असित साहा, मुख्य महाप्रबंधक संदीप कर और कार्यक्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। अनुपयोगी औद्योगिक प्लास्टिक पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या को बढ़ाता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950